www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

भोपाल
वर्षः 6 अंक 98
मंगलवार 26 मई, 2026

तापमान
अधिकतम 42°C
न्यूनतम 28°C

मूल्य 2 रुपए | पृष्ठ-8 | मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित | www.tarunmitra.in

ट्रंप बोले–मोदी करीबी दोस्त, भारत हम पर कर सकता है पूरा भरोसा

- दिल्ली समारोह में ट्रंप का लाइव कॉल, मोदी की खुलकर तारीफ

नई दिल्ली, 25 मई। भारत और अमेरिका के रिश्तों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र की खुलकर प्रशंसा की है। नई दिल्ली में आयोजित अमेरिकी दूतावास के 'राष्ट्रीय दिवस स्वागत समारोह' के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप का अचानक लाइव फोन कॉल आने से पूरा कार्यक्रम चर्चा का विषय बन गया। समारोह में मौजूद लोगों ने ट्रंप की आवाज सुनते ही तालियों से उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम में भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर मंच से संबोधन दे रहे थे। इसी दौरान उनके फोन पर राष्ट्रपति ट्रंप का कॉल आया। राजदूत ने माइक पर ट्रंप को जोड़ा, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी आत्मीयता जाहिर की।

ट्रंप ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री मोदी का बहुत बड़ा फैन हूं। वे मेरे करीबी दोस्त हैं और भारत-अमेरिका संबंध आज इतिहास के सबसे मजबूत दौर में हैं।' ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत को जब भी किसी मदद की आवश्यकता होगी, वह सीधे व्हाइट हाउस से संपर्क कर सकता है। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि भारत अमेरिका पर '100 प्रतिशत भरोसा' कर सकता है। ट्रंप ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है और भारत के साथ उसकी साझेदारी भी तेजी से मजबूत हो रही है।

दस दिनों में चौथी बढ़ोतरी, पेट्रोल शतक पार

कच्चा तेल सस्ता, फिर भी देश में पेट्रोल–डीजल के दाम बेलगाम

नई दिल्ली, 25 मई। पश्चिम एशिया संकट और लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच देश में पेट्रोल-डीजल फिर महंगा हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल के दाम में 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया।

पिछले 10 दिनों में यह चौथी बढ़ोतरी है और इस दौरान दोनों ईंधनों की कीमतों में करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा हो चुका है। करीब चार साल बाद दिल्ली में पेट्रोल फिर 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंचा है। इससे पहले मई 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान ऐसा हुआ था।

अन्य महानगरों में भी कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मुंबई में पेट्रोल 111.21 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 107.77 रुपये और डीजल 99.55 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया।

उछाल

- पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 रुपये महंगा, आम आदमी पर महंगाई की नई मार
- डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट और खाद्य वस्तुएं होंगी प्रभावित
- राहुल गांधी बोले– किस्तों में जनता की जेब काट रही सरकार
- दस दिनों में पेट्रोल–डीजल करीब साढ़े सात रुपये महंगे

तेल कंपनियों के अनुसार वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये की कमजोरी के कारण आयात लागत बढ़ी है, जिसका असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है।

हालांकि दिलचस्प तथ्य यह है कि सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहा, लेकिन घरेलू उपभोक्ताओं को इसका फायदा नहीं मिला।

ईंधन कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं माना जा रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि डीजल महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी, जिससे खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। हाल के दिनों में सीएनजी और एलपीजी की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। 15 मई को पेट्रोल-डीजल में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी, जबकि सीएनजी दो रुपये प्रति किलो महंगी हुई थी। इसके बाद 18 और 23 मई को भी दाम बढ़ाए गए। वहीं 1 मई को वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में 993 रुपये तक की वृद्धि की गई थी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ईंधन कीमतों में लगातार वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाकर 'चुपके-चुपके जनता की जेब काट रही है।'

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव खत्म होते ही सरकार ने ईंधन करीब आठ रुपये महंगा कर दिया और आगे भी बढ़ोतरी जारी रहने की आशंका है। उन्होंने महंगाई को 'आर्थिक तूफान' बताते हुए कहा कि इसका असर सीधे आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतनी वृद्धि नहीं हुई, जितनी घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल महंगा किया गया।

उन्होंने कहा कि इसका सबसे ज्यादा असर किसानों, मध्यम वर्ग, छोटे कारोबारियों और एमएसएमई क्षेत्र पर पड़ रहा है। वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि अब देश में शायद ही कोई ऐसा शहर बचा है, जहां पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर से कम हो। उन्होंने सवाल उठाया कि लगातार बढ़ती कीमतों के बीच आम आदमी आखिर ईंधन का खर्च कैसे उठाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री ने पत्नी के साथ किया ताज का दीदार

आगरा, 25 मई। चार दिवसीय भारत भ्रमण पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो अपने पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को विशेष वायुयान से आगरा पहुंचे और सपत्नीक ताजमहल की खूबसूरती को निहारा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो शनिवार से भारत दौरे पर हैं। इस दौरान वह सोमवार को अपनी पत्नी जीनेट रूबीयो के साथ विशेष वायुयान से आगरा में वायुसेना के खेरिया हवाई अड्डे पर पूर्वाह्न करीब 9:30 पहुंचे।

असम विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश, विपक्ष ने जताया कड़ा विरोध

दिसपुर, 25 मई। असम सरकार ने सोमवार को विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक-2026 पेश कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से सदन में यह विधेयक प्रस्तुत किया। विधेयक पेश होते ही विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया और अध्यक्ष से इसे सदन में पेश नहीं करने की मांग की। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि असम विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश होने से इस विषय पर खुली चर्चा का रास्ता साफ हुआ है।

जंतर–मंतर पर प्रदर्शन मामले में अलका लांबा दोषी करार

नई दिल्ली, 25 मई। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 2024 में महिला आरक्षण के मामले पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करके जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के मामले में कांग्रेस नेता अलका लांबा को दोषी करार दिया है।

एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने अलका लांबा की सजा की अवधि के मामले पर 5 जून को सुनवाई करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 4 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में कोर्ट ने 14 जनवरी को अलका लांबा के खिलाफ औपचारिक रुप से आरोप तय करने का आदेश दिया था।

वक्फ सुधारों के क्षेत्र में मप्र देश में सबसे आगे : मोहन यादव

भोपाल, 25 मई (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज मध्य प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड विभिन्न नवाचारों से देश में सबसे आगे है। प्रदेश में वक्फ बोर्ड के माध्यम से वक्फ संपत्तियां ऑनलाइन की गई, इसके लिए भारत सरकार से प्रदेश को स्कॉच अवार्ड मिला है। यह पारदर्शी व्यवस्था पूरे देश के लिए उदाहरण बनी है। इस तरह से मप्र वक्फ बोर्ड देश का श्रेष्ठ वक्फ बोर्ड हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में मध्य प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा देश रहीम और रसखान की मेलजोल की

संस्कृति में विश्वास रखता है। भारत की जनता कानून में भरोसा रखती है, चाहे किसी भी समुदाय की हो। इसलिए भारत पूरे विश्व में आदर्श है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब जम्मू कश्मीर में पड़ोसी राष्ट्र से दरिन्दे आए तब वहां की जनता ने उनका सीधा विरोध किया और उन्हें खदेड़ दिया। हमारे देश की जनता बुद्धि और विवेक का उपयोग करती है। भारत की यह सुदृढ़ परम्परा और आदर्श संस्कृति है।

भारत पाक युद्ध में कैप्टन हमीद ने साहसी कारनामा करते हुए पाकिस्तान के अनेक टैंक नष्ट कर दिखाए, इसे कौन भूल सकता है।

कॉकरोच पार्टी के खिलाफ याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 25 मई। उच्चतम न्यायालय ने अचानक चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। आज जब इस मामले को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता बेंच के समक्ष मेंशन कर जल्द सुनवाई की मांग की गई, तो कोर्ट ने कहा कि फिलहाल यह ऐसा कोई गंभीर या आपातकालीन मामला नहीं है, जिस पर तत्काल सुनवाई की जरुरत हो। याचिका वकील राजा चौधरी ने दायर की है। याचिका में कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि कॉकरोच जनता पार्टी नामक स्व-घोषित राजनीतिक संगठन की गतिविधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

यूपी : मुठभेड़ में दो बदमाश ढेर, दो सिपाही भी घायल

अलीगढ़, 25 मई। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो कुख्यात अपराधी मारे गए, जबकि जवाबी कार्रवाई के दौरान दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार मारे गए बदमाश महिलाओं से लूटपाट की कई घटनाओं में वांछित थे और लंबे समय से पुलिस उनकी तलाश कर रही थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि बीते दिनों मडराक, गोंडा, अतरौली और छर्रा थाना क्षेत्रों में महिलाओं से हथियार के बल पर लूट की कई घटनाएं हुई थीं। बदमाशों ने महिलाओं के कुंडल और अन्य जेवरात लूटे थे, जिसके बाद पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई थी।

कार्रवाई

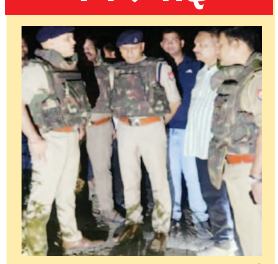

- महिलाओं से लूटपाट की कई घटनाओं में पुलिस को थी दोनों की तलाश

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, एनटीए और केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 25 मई। नीट-यूजी 2026 परीक्षा विवाद को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) और यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 29 मई को होगी।

याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा न्यायिक निगरानी में कराई जाए। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक हाई-पावर्ड कमेटी गठित करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि इस समिति में साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ और फॉरेंसिक वैज्ञानिकों को भी शामिल किया जाए, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रह सके। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनटीए की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद है कि एनटीए ने पिछली घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया। कोर्ट ने कहा कि पहले भी इस तरह के मामलों में फैसले और सिफारिशें सामने आ चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद गड़बड़ियां जारी हैं।

अदालत ने एनटीए को निर्देश दिया है कि वह मॉनिटरिंग कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की स्थिति पर शपथपत्र दाखिल करे। साथ ही हाई पावर कमेटी के चेयरमैन के. राधाकृष्णन को भी उठाए गए कदमों की जानकारी देने को कहा गया है।

गौरतलब है कि 3 मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा बाद में पेपर लीक के आरोपों के चलते रद्द कर दी गई थी। जांच एजेंसियां अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी हैं और मामले की जांच कर रही है।

मप्र के धार में बनेगा भव्य सरस्वती लोक

मुख्यमंत्री ने भोजशाला में मां वाग्देवी के दर्शन–पूजन कर धार को दी 88.04 करोड़ रुपये के 12 विकास कार्यों की सौगात

भोपाल, 25 मई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनाएगी और राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक भोजशाला पर उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, राज्य सरकार इस न्यायिक आदेश का अक्षरशः पालन कराएगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को धार में जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यह हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का अटूट प्रतीक है। यहाँ दूर-दूर से छात्र और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली

अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज की इस पुण्य धरा (धार) में अब चहुंमुखी विकास की नई धारा बहेगी। धार के आसपास पुरात्व विभाग से समन्वय कर सभी प्रकार के विकास कार्य किए जाएगे। उन्होंने कहा कि राजा भोज जल संरक्षण के अग्रदूत थे। उनके द्वारा निर्मित विशाल जलाशय, तालाब और जल प्रबंधन की व्यवस्थाएं आज भी उनकी अद्भुत दूरदर्शिता एवं जल नियोजन का प्रमाण हैं। धार को किसी समय तालाबों की नगरी कहा जाता था। राजा भोज ने इस शहर में जलापूर्ति के लिए यहां साढ़े 12 तालाबों का निर्माण कराया गया था और इन्हें आपस में इस तरह से जोड़ा गया था कि एक तालाब भरने पर उसका अतिरिक्त पानी दूसरे तालाब में स्वतः चला जाता था।गंगा दशहरा पर सोमवार को प्रदेशव्यापी जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्यमंत्री ने धार में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने मां वाग्देवी के सम्मान में धार में भव्य सरस्वती लोक बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राजा भोज की कर्मस्थली है, इसीलिए धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोपाल में भी राजा भोज का संग्रहालय बनाया जा रहा है।इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायकगण नीना विक्रम वर्मा व कालू सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यहां 88.04 करोड़ रुपये की लागत वाले 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिलेवासियों को सौगात दी। इसमें 27.21 करोड़ रुपये की लागत से चंबल नदी पर लेबड़-घाटाबिल्लौद मार्ग पर फोरलेन उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी शामिल है।

पूंजी, जोखिम और वित्तीय स्थिति की जानकारी सार्वजनिक करना होगा अनिवार्य

रिजर्व बैंक के नए नियम, बैंकों पर बढ़ेगी निगरानी

नीरज अवस्थी

नई दिल्ली, 25 मई। भारतीय रिजर्व बैंक यानी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने देश की बैंकिंग व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रिजर्व बैंक ने एक नया मसौदा प्रस्ताव जारी किया है, जिसके तहत बैंकों को अपनी पूंजी स्थिति, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय मजबूती से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करनी होगी।

रिजर्व बैंक का मानना है कि वर्तमान समय में बैंकिंग क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। डिजिटल बैंकिंग, वित्तीय तकनीकी कंपनियों के विस्तार और ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं के बढ़ते उपयोग के कारण बैंकों के सामने नए प्रकार के खतरे उभर रहे हैं। ऐसे में निवेशकों, जमाकर्ताओं और बाजार से जुड़े लोगों को बैंकों की वास्तविक वित्तीय स्थिति की स्पष्ट जानकारी मिलना आवश्यक हो गया है। प्रस्तावित नियमों के अनुसार अब बैंकों को अपनी पूंजी पर्याप्तता, जोखिम आधारित परिसंपत्तियों, नकदी उपलब्धता की स्थिति और विभिन्न प्रकार के जोखिमों का नियमित खुलासा करना होगा।

इसमें ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम और साइबर खतरे जैसी जानकारियां भी शामिल रहेंगी। इसके अलावा बैंकों को तनाव परीक्षण के परिणाम भी सार्वजनिक करने पड़ सकते हैं, जिससे यह पता चल सके कि आर्थिक संकट या बड़े वित्तीय झटकों की स्थिति में बैंक कितने मजबूत हैं। रिजर्व बैंक के इस कदम को बाजार अनुशासन को मजबूत करने वाला माना जा रहा है। 'बेसल स्तंभ-3' का मुख्य उद्देश्य यही है कि बाजार स्वयं बैंकों की वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन कर सके। जब बैंक अपनी जोखिम स्थिति और पूंजी ढांचे की अधिक जानकारी सार्वजनिक करेंगे, तब निवेशक और ग्राहक ज्यादा सोच-समझकर निर्णय ले पाएंगे। इससे बैंकिंग क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और जवाबदेही दोनों बढ़ने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस व्यवस्था से बैंकों पर अपनी बैलेंस शीट यानी लेखा स्थिति मजबूत रखने का दबाव भी बढ़ेगा। पारदर्शिता बढ़ने से ऋण मूल्यांकन एजेंसियों और निवेशकों को सटीक आंकड़े मिल सकेंगे, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता मजबूत होगी।

पारदर्शिता

- अब बैंक छिपा नहीं सकेंगे अपनी वास्तविक आर्थिक स्थिति
- नए नियमों से बढ़ेगी बैंकिंग क्षेत्र में पारदर्शिता

हालांकि कुछ बैंकिंग विशेषज्ञों ने यह चिंता भी जताई है कि छोटे और क्षेत्रीय बैंकों के लिए इतनी विस्तृत रिपोर्टिंग व्यवस्था लागू करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इससे नियमों के पालन पर होने वाला खर्च बढ़ने की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। रिजर्व बैंक ने फिलहाल इस प्रस्ताव को सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया है और बैंकों सहित अन्य संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं।

माना जा रहा है कि आने वाले महीनों में अंतिम दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

यदि यह व्यवस्था पूरी तरह लागू होती है, तो भारतीय बैंकिंग प्रणाली वैश्विक मानकों के और अधिक करीब पहुंच जाएगी तथा वित्तीय क्षेत्र में पारदर्शिता और भरोसे को नई मजबूती मिलेगी।

महाराष्ट्र के अम्बेनाली घाट में कार खाई में गिरी, आठ की मौत

रायगढ़, 25 मई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। कोंकण क्षेत्र से सतारा जा रहा एक पर्यटक वाहन अनियंत्रित होकर अम्बेनाली घाट के पास गहरी खाई में गिर गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक वाहन करीब 1000 से 1500 फीट गहरी घाटी में जा गिरा। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और शव अलग-अलग स्थानों पर बिखरे मिले। अब तक तीन शवों को बाहर निकाल लिया गया है, जबकि अन्य लोगों की तलाश जारी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सांसद का प्रयास लाया रंग, भागलपुर–कटिहार स्पेशल ट्रेन को मिली मंजूरी

भागलपुर, 25 मई (हि.स.)। विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त होने के कारण भागलपुर संसदीय क्षेत्र सहित आसपास के कई जिलों के लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। आम जनता की इस गंभीर समस्या को देखते हुए सांसद अजय कुमार मंडल ने जनसुविधा के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित संबंधित रेलवे अधिकारियों को पत्र लिखकर भागलपुर से कटिहार (भाया नवगछिया) के बीच दो जोड़ी पैसेंजर ट्रेन चलाने का विशेष अनुरोध किया था। सांसद के इस पत्र पर रेल मंडल के अधिकारियों ने त्वरित एवं सकारात्मक संज्ञान लिया है। रेलवे द्वारा भागलपुर-कटिहार भाया मुंगेर-नवगछिया स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्याः 03407-03408) के परिचालन की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस स्वीकृति की आधिकारिक जानकारी पूर्व रेलवे (मालदा) के सहायक वाणिज्य प्रबंधक ने पत्र के माध्यम से सांसद अजय कुमार मंडल को दी है।

रेलवे के इस फैसले से क्षेत्र की जनता को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। इस त्वरित कार्रवाई के लिए सांसद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं रेलवे के तमाम अधिकारियों के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार और धन्यवाद प्रकट किया है। सांसद ने आगे कहा कि इस स्पेशल ट्रेन सेवा के प्रारंभ होने से भागलपुर, नवगछिया, कटिहार एवं आसपास के जिलों के हजारों यात्रियों को आवागमन में बड़ी सहूलियत होगी और क्षेत्रीय संपर्क व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

विशेष जनसुनवाई शिविर में प्रशासन ने सुनी बुजुर्गों की समस्याएं, मौके पर मिला समाधान

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में सोमवार को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जहां प्रशासनिक व्यवस्था केवल औपचारिकता नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई। कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर आयोजित विशेष जनसुनवाई शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे बुजुर्गों के चेहरों पर राहत, विश्वास और संतोष साफ दिखाई दिया।

शिविर में पहुंचे कई वृद्धजन ऐसे थे, जो लंबे समय से पेंशन, भरण-पोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं और पारिवारिक समस्याओं को लेकर परेशान थे, लेकिन इस विशेष पहल में उन्हें पहली बार ऐसा महसूस हुआ कि प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुन रहा है। अधिकारियों ने न केवल आत्मीयता से उनकी बातें सुनीं, बल्कि अनेक मामलों में मौके पर ही समाधान भी सुनिश्चित किया। किसी बुजुर्ग की आंखों में पेंशन शुरू होने की उम्मीद चमकी तो किसी ने पारिवारिक विवाद के समाधान के बाद राहत की सांस ली। शिविर में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पूरे धैर्य और संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक व्यक्ति की समस्या सुनी। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों पर समय-सीमा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी बुजुर्ग को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। यह विशेष जनसुनवाई शिविर केवल शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह प्रशासन और समाज के बीच विश्वास, सम्मान और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उदाहरण बन गया।

विशेष शिविर में कलेक्टर वर्मा ने सभी वृद्धजनों का तिलक लगाकर उनका स्वागत किया और उन्हें जलपान कराया। इस मौके पर जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इसी के तहत कलेक्ट्रेट सभागृह में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। एक ही स्थान पर वृद्धजनों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष शिविर में भरण-पोषण, पारिवारिक विवाद, पेंशन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के 331 आवेदन आए। ये सभी आवेदन कलेक्ट्रेट कार्यालय के 33 विभागों से संबंधित थे। इसमें नगर निगम के 87, तहसील मल्हारगंज के 33, तहसील जूनी इंदौर के 35, तहसील राऊ के 27, उपायुक्त सहकारिता विभाग के 22, संयुक्त संचालक सामाजिक विभाग के 18 थे। इसके अलावा रेडक्रास सोसायटी, जिला खाद्य आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विशेष जनसुनवाई में वृद्धजनों को विशेष उपकरण वितरित किए गए। वयोश्री योजना के अंतर्गत वृद्धजनों को कान की मशीन (हियरिंग एड), व्हीलचेयर, वाकर, घुटने के पट्टे, सिलीकॉन कुशन, वाकिंग स्टीक और स्पाइनल बेल्ट सहित कुल 111 उपकरण वितरित किए गए। साथ ही 10 वरिष्ठजनों की वृद्धा पेंशन समस्याओं का तत्काल निराकृत किया गया। कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा शिविर में आए 26 वृद्धजनों को भरण-पोषण अधिनियम के तहत आदेश की प्रति दी गई।

वृद्धजनों की सेहत को सर्वोपरि रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें वरिष्ठजनों को मल्टी स्पेशलिटी, मानसिक, फिजियोथैरेपी स्क्रीनिंग एवं मेडिकल बोर्ड आदि व्यवस्थाएं दी गई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को प्रोटीन युक्त बिस्किट एवं टॉनिक भी वितरित किए गए। शिविर में लगभग 100 से अधिक रोगियों ने विशेष उपचार एवं परामर्श उपचार दिया गया। साथ 34 से अधिक वृद्धजनों का विभिन्न बीमारियों की रक्त जांच की गई। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए जिसमें लैब टेस्ट, गायनिक ओपीडी, डेंटल सर्विस, आंखों की जांच, कुष्ठ रोग काउंसलिंग, फिजियोथैरेपी, ई एन टी सर्विस, सायकेट्री, न्यूरो सायकेट्री, मेडिसिन मैरिज तथा ऑर्थो की जांच की गई। साथ ही वृद्धजनों को दवाई वितरण एवं आभा कार्ड भी बनाए गए।

महिला ने की आत्महत्या, तबीयत खराब होने के बाद डॉक्टर के पास जाने से किया था मना

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में सोमवार को एक महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। तुकोगंज क्षेत्र में महिला ने बीमारी के बाद डॉक्टर के पास जाने से इंकार करने के कुछ ही घंटों बाद यह कदम उठा लिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, तुकोगंज थाना क्षेत्र के अमर टेकरी इलाके में रहने वाली 25 वर्षीय दीक्षा पति विपिन टटवाडे ने सोमवार तड़के अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पति विपिन, जो पेशे से इलेक्ट्रीशियन हैं, उसने पुलिस को बताया कि रविवार को दीक्षा की तबीयत काफी खराब थी। उन्होंने उसे अस्पताल चलकर डॉक्टर को दिखाने के लिए कहा, लेकिन दीक्षा ने साफ मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने पास के ही एक क्लीनिक के डॉक्टर को घर बुलाकर ड्रिप चढ़वाने की बात की । लेकिन उनके बेटे ने उन्हें फोन कर बताया था कि मां इलाज कराने के लिए बिल्कुल राजी नहीं हो रही है। रविवार रात को दीक्षा काफी देर तक मोबाइल चलाती रही, जबकि विपिन और बच्चे सो गए थे।

सोमवार सुबह करीब 4 बजे जब विपिन की नींद खुली, तो दीक्षा बिस्तर पर नहीं थी। जब उन्होंने घर में उसकी तलाश की, तो वह दूसरे कमरे में फंदे पर लटकी हुई मिली। विपिन तुरंत उसे फंदे से उतारकर एमवाय अस्पताल ले गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। विपिन और दीक्षा की शादी को करीब 10 साल हो चुके थे और उनके दो बेटे हैं। फिलहाल आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है, पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर रही है।

शहर में सुगम यातायात के लिए नई सड़कों व फ्लाईओवर की रूपरेखा तैयार

सांसद कुशवाह की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर के यातायात को बेहतर व सुगम बनाने के लिये नई वैकल्पिक कनेक्टिविटी सड़कों व फ्लाईओवर निर्माण की रूपरेखा तैयार की गई है। इनका सर्वे करा लिया गया है। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने नई कनेक्टिविटी सड़कों व फ्लाईओवर के प्रस्ताव एस्टीमेट सहित शासन की स्वीकृति के लिए भेजने के निर्देश दिए हैं।

सांसद कुशवाह ने सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित नई सड़कों में 7 नम्बर चौराहा से लाल टिपारा होते हुए एयरपोर्ट तक सर्कुलर रोड, राजपायगा तिराहे से कस्तूरबा तिराहे तक नाले को पाटकर सड़क निर्माण, आईएसबीटी बस स्टैण्ड से भिण्ड जाने के लिए मलगढ़ा हजीरा थाना चौराहे से महू, विक्रमपुर, भदरौली होते हुए शनिश्चरा रोड तक, तक सड़क, गोले का मंदिर चौराहे पर फ्लाईओवर, बारादरी चौराहा होते हुए हुरावली रोड तक फ्लाईओवर, नाका चंद्रबदनी से मांडरे माता तक सड़क निर्माण, चिरवाई नाका से कस्तूरबा तिराहा तक सड़क, इन्दरगंज से हनुमान चौराहा तक फ्लाईओवर, पुराने एबी रोड पर बहोड़ापुर से गिरवाई नाके से आगे तक फ्लाईओवर निर्माण, सब्जी मंडी से मुरली गार्डन तिघरा रोड इत्यादि शामिल है।

कलेक्ट्रेट में सांसद भारत सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में जिला पंचायत की अध्यक्ष दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, विधायक मोहन सिंह राठौर, पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष केशव सिंह बघेल, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजौरिया व ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत, कलेक्टर रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, एडीएम सीबी प्रसाद तथा धर्मेन्द्र तोमर, कुलदीप यादव व अनीता खेमरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। साथ ही लोक निर्माण, सेतु संभाग, सड़क विकास प्राधिकरण एवं यातायात व्यवस्था से संबंधित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

भारी अनियमितता के चलते सुकून रिसॉर्ट को किया सील

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में प्रशासन की टीम ने सोमवार को जबलपुर तहसील के अंतर्गत घाना स्थित सुकून रिसॉर्ट का भी निरीक्षण कर किचन में गंदगी और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाये जाने तथा फायर प्लान एवं फायर एनओसी न होने पर इसे सील कर दिया है। एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह ने बताया कि सुकून रिसॉर्ट के संचालक द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर जीवित बहते हये पानी के प्रवाह को संकीर्ण कर दिया गया था। निरीक्षण के दौरान रिसॉर्ट का किचन अत्यंत बदबूदार और गंदा पाया गया। इसके साथ ही सुकून रेस्टोरेंट में खाद्य सामग्री भी खुले में रखी पाई गई थी। उल्लेखनीय है कि नर्मदा किनारे अनैतिक कार्य संचालन के आरोप भी इस रिसोर्ट पर लग चुके हैं। हाल ही में सुकून होटल में पकड़े गए धर्म विशेष के लोगों के चलते हुए प्रशासन ने कार्रवाई की थी। इसके साथ ही सुकून के मालिक पूर्व तहसीलदार पर मारपीट का मामला दर्ज किया था।

रीवा मे जैन साध्वी पूज्य माता द्वय की हत्या से जैन समाज आन्दोलित, आरोपी को फांसी देने की मांग

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के बिजुरी एवं अमरकंटक में जैन समाज ने रीवा में कार चालक राशिद अली शाह द्वारा जैन साध्वी पूज्य श्रुतमति माताजी एवं उपसममती माताजी के ऊपर जानबूझकर वाहन चढ़ाकर दो जैन साध्वियों की हत्या के विरोध में सोमवार को जैन समाज ने मौन जुलूस निकालकर बिजुरी और अमरकंटक थाना प्रभारी के माध्यम से राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, पुलिस अधीक्षक के नाम संबोधित ज्ञापन सौंप कर साधु संतों की सुरक्षा एवं घटना करने वाले राशिद अली शाह को फांसी की सजा की मांग की।

गौरतलब है कि 20 मई को कार चालक राशिद अली शाह ने जैन साध्वी पूज्य श्रुतमति माताजी एवं उपसममती माताजी के ऊपर रीवा कलेक्ट्रेट के पास जानबूझकर वाहन चढ़ाकर हत्या कर दी गई। जबकि एक माताजी गंभीर रूप से घायल होने के कारण उपचाररत हैं। यह कुठारा घात संपूर्ण संत समाज के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण जैन समाज आहत है। कैसे निर्दयी लोग साधु संतों पर भी हमला कर रहे हैं। यह घटना अहिंसा का संदेश देने वाले जैन समाज के साधु संतों के साथ की गई जिससे संपूर्ण जैन समाज दुखी है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश पुलिस महानिदेशक से समाज ने कहा हैं कि इसे संज्ञान में लेकर कठोरता से कार्यवाही करें तथा हमारे मांग पत्र के अनुसार साधु संतों की सुरक्षा एवं समाज के हित में समुचित निर्णय लेकर सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करने का आग्रह किया गया।

बिजुरी जैन समाज के अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया यह घटना से अखिल भारतीय जैन समाज आहत और दुखी है ऐसे साधु संत जो पैदल बिहार करते हैं समाज को अहिंसा का संदेश देते हैं उनके साथ इस तरह की दुर्घटना कर हत्या कर देना बहुत ही निंदनीय है, ऐसे हत्यारों को सरेआम मौत की सजा देनी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में गुलाबचंद जैन, नरेश जैन, संतोष जैन, संजय जैन, कमलेश जैन, वैभव जैन, शैलेश जैन, नितिन जैन, आर्जव जैन, अस्तित्व जैन, रितेश जैन, सौरभ जैन, अनुज जैन, सनी जैन, अमित जैन, प्रियेश जैन, सोनू जैन, विनय जैन, संजय जैन,सम्यक जैन, आदि जैन, रोहित जैन, महिलाओं में सारिका जैन, ज्योति जैन, अनामिका जैन, संध्या जैन, शैली जैन, सोनिया जैन, आकांक्षा जैन, सुरभि जैन, कविता जैन, अंतिम जैन, प्रियंका जैन, हनी जैन, मनो जैन, अनीता जैन, प्रियंका जैन, सौम्या जैन सहित सर्व जैन समाज ने मौन जुलूस निकाल कर प्रदर्शन करते हुए थाना प्रभारी को मांग पत्र सौपा। अमरकंटक में ब्रह्मचारी दीपक जैन, सुनील जैन, महेश जैन, देवेंद्र जैन, आदित्य जैन, प्रशांत जैन, निलेश जैन, सीताराम जैन, मोनू जैन, दया जैन, अनुज जैन, संदीप जैन, प्रभाकर भारती जैन, सुषमा जैन, ज्योति जैन, शालिनी जैन, निधि जैन तथा नगर परिषद की पार्षद सहित जैन समाज के अनेक पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

नौतपा के पहले दिन आसमान में काले बादलों की लुका छुपी

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले भर में नौतपा के पहले दिन सोमवार को आसमान में काले बादलों की लुका छुपी से तापमान में बढ़ोतरी नहीं हो पाई। दोपहर तक सूर्य ने तपाया उसके बाद काले बादलों ने ढक लिया। अनूपपुर का तापमान 42 डिग्री तक गया, जिससे उमस का एहसास बना रहा।

वहीं विश्व प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक अधिमास ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष नवमी पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र पर मौसम प्रत्येक दिवस जैसा ही सामान्य तापमान रहा। इससे बहुत नगरी अमरकंटक में गर्मी महसूस की गई और पवित्र नगरी अमरकंटक का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस पर अटका रहा। बिगत कई दिनों से पवित्र नदी अमरकंटक का तापमान 36-38 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है। पवित्र नगरी अमरकंटक में लू जैसे हालात नहीं है ना ही गर्म हवाओं के थपेड़े ही पड़ रहे हैं। नौतपा के पहले दिन का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पर रहा वही पवित्र नगरी अमरकंटक शुद्ध वायु 101 पर दर्द हुआ ।

उल्लेखनीय है कि विगत कई दिनों से पवित्र नगरी अमरकंटक का अधिकतम तापमान 38 डिग्री पर स्थिर बना हुआ है जबकि अन्य जगह पर तापमान 48-49 डिग्री सेल्सियस चला जा रहा है। पवित्र नगरी अमरकंटक के लिए यह बेहद सुखद एवं ठंडी सांस लेने वाली बात है कि पारा बढ़ नहीं रहा है। इसका आनंद पर्यटक तीर्थ यात्री भी जमकर उठा रहे ।

चचाई पावर प्लांट ने रचा इतिहास, 600 दिनों से लगातार जारी बिजली उत्पादन

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले स्थित अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र चचाई ने बिजली उत्पादन के क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। यहां की 210 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट ने लगातार 600 दिनों तक बिना किसी रुकावट के बिजली उत्पादन कर कंपनी के इतिहास में अभूतपूर्व रिकॉर्ड दर्ज किया है। यह पहली बार है जब किसी जनरेटिंग यूनिट ने इतने लंबे समय तक निर्बाध संचालन बनाए रखा है।

प्लांट की यह ऐतिहासिक उपलब्धि 1 अक्टूबर 2024 से शुरू हुई निरंतर उत्पादन यात्रा का परिणाम है, जो अब तक सफलतापूर्वक जारी है। बिजली उत्पादन के दौरान यूनिट ने तकनीकी दक्षता और कार्यकुशलता के नए मानक स्थापित किए हैं। प्लांट की परिचालन उपलब्धियों में प्लांट उपलब्धता कारक (ढअत्रः) 98.81 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि प्लांट लोड फैक्टर (ढछत्रः) 95.6 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रहा। वहीं सहायक बिजली खपत (अढउ) केवल 9.28 प्रतिशत रही, जिसे ऊर्जा बचत और उत्कृष्ट संचालन क्षमता का संकेत माना जा रहा है।

ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के अनुसार, किसी थर्मल पावर यूनिट को इतनी लंबी अवधि तक बिना तकनीकी खराबी, ग्रिड ट्रिपिंग या फोर्स आउटेज के संचालित रखना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। इस सफलता का श्रेय प्लांट की मजबूत प्रिवेंटिव मेंटेनेंस व्यवस्था, सतत डिजिटल निगरानी और ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस टीम की कुशल कार्यशैली को दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम के समर्पण, अनुशासन और तकनीकी दक्षता का परिणाम है। उन्होंने इसे कंपनी के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बताया।

इस रिकॉर्ड प्रदर्शन का सीधा लाभ प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को भी मिला है। यूनिट के लगातार चालू रहने से राज्य में निर्बाध और अपेक्षाकृत सस्ती बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिली है। साथ ही यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य बिजली उत्पादन केंद्रों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई और मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने चचाई प्लांट की पूरी टीम को बधाई देते हुए उनके कार्य की सराहना की है। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

जिला प्रशासन ने 12 करोड़ की शासकीय जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में जिला प्रशासन की टीम ने सोमवार को ग्राम महलगांव मौजे के अंतर्गत स्थित बेशकीमती लगभग 4000 वर्गफुट शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटवाया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन का बाजार मूल्य लगभग 12 करोड़ रुपये आंका गया है। एसडीएम अतुल सिंह ने बताया कि तहसीलदार न्यायालय महलगांव वृत सिटी सेंटर द्वारा गत 13 मई को एक प्रकरण में महलगांव मौजे के सर्वे क्र.-1195 की लगभग 4 हजार वर्गफीट शासकीय जमीन पर अवैध रूप से काबिज विनायक गर्ग निवासी लक्ष्मीबाई कॉलोनी को बेदखल करने के आदेश दिए थे। साथ ही उन पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया था। इस आदेश के पालन में सोमवार को राजस्व, नगर निगम व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और नगर निगम के मदाखलत दस्ते व मशीनों की मदद से शासकीय जमीन के अतिक्रमण ध्वस्त कराए।

मेट्रो कॉरिडोर से क्षतिग्रस्त सड़क का डामरीकरण शुरू, एमआईसी सदस्य ने किया निरीक्षण

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में मेट्रो कॉरिडोर निर्माण के चलते क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के सुधार कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौराहा (सुखलिया) से चंद्रगुप्त चौराहा एमआर-10 तक सड़क के डामरीकरण कार्य की शुरूआत की गई। एमआईसी सदस्य एवं जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे। राजेंद्र राठौर ने सड़क निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

मेट्रो निर्माण से सड़कें हुई थीं क्षतिग्रस्त- मेट्रो कॉरिडोर निर्माण कार्य के दौरान भारी मशीनरी और लगातार खुदाई के कारण सड़क कई स्थानों पर खराब हो गई थी। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नगर निगम ने अब सड़क के नवीनीकरण और संधारण कार्य को तेजी से शुरू कर दिया है ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके।

डिवाइडर, मीडियन और लाइटिंग का काम अंतिम चरण में- अधिकारियों के मुताबिक सड़क के सेंट्रल डिवाइडर और मीडियन निर्माण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। मार्ग को आकर्षक बनाने के लिए पौधारोपण किया जा रहा है, वहीं आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था भी स्थापित की जा रही है। इससे सड़क की रोशनी और सौंदर्य दोनों में सुधार होगा।

आदर्श सड़क के रूप में विकसित होगा मार्ग- एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने कहा कि आने वाले समय में इस मार्ग को आदर्श सड़क के रूप में विकसित किया जाएगा। सड़क निर्माण के साथ सौंदर्यीकरण, यातायात सुविधा और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री पी.एस. कुशवाह सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री बनने का सपना पूरा होना मुश्किलः अठावले

ग्वालियर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने ग्वालियर प्रवास के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का भविष्य विपक्ष के नेता के रूप में अच्छा हो सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री बनने का उनका सपना पूरा होना मुश्किल है।

केन्द्रीय मंत्री रविवार शाम को मध्य प्रदेश के ग्वालियर पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राहुल गांधी भले ही देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हों, लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में इसकी संभावना नजर नहीं आती। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि देश की जनता लगातार भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। अठावले ने पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों के चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने कई जगह बड़ी जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस बहुमत तक पहुंचने के लिए भी संघर्ष करती दिखाई दे रही है।

केंद्रीय मंत्री अठावले ने प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली की जमकर सराहना की। उन्होंने मोदी को देश का मजबूत प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि उनकी सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश के औद्योगिक विकास को नई गति दी है और भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दलितों, पिछड़े वर्गों और गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व के मंत्र के साथ काम कर रही है और समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार की कई योजनाओं का सीधा लाभ गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचा है।

रामदास अठावले ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार और वर्तमान मोदी सरकार की आर्थिक स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि जब देश में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार थी, तब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 10वें स्थान पर थी, जबकि आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों और विकास योजनाओं को दिया। उन्होंने कहा कि जनधन योजना, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं ने देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत किया है। करोड़ों लोगों के बैंक खाते खुलने से आर्थिक पारदर्शिता बढ़ी है और गरीबों तक सीधे सरकारी सहायता पहुंची है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) जल्द ही देश की शीर्ष पांच राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों में शामिल हो जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष के अभिवादन कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के जिला उपाध्यक्ष दीपक शर्मा उनसे एयरपोर्ट पर मिलने पहुंचे थे। ग्वालियर दौरे के दौरान रामदास अठावले के बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा नेताओं ने जहां उनके बयान का समर्थन किया, वहीं कांग्रेस समर्थकों ने इसे राजनीतिक बयानबाजी करार दिया है।

जल है जीवन का आधार, इसके संरक्षण में हर नागरिक की भागीदारी जरूरी: मंत्री कृष्णा गौर

जल संरक्षण शपथ के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम संपन्न

सीहोर। मध्य प्रदेश की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि जल सृष्टि का आधार है और इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जल ही जीवन को संतुलन और समृद्धि प्रदान करता है। यदि आज जल संरक्षण के प्रति गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। राज्यमंत्री कृष्णा गौर सोमवार को सीहोर जिले में नर्मदा नदी के आंवलीघाट पर आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। गंगा दशहरा के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आंवलीघाट पर जल गंगा संवर्धन अभियान का जिला

स्तरीय जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मंत्री कृष्णा गौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनआंदोलन

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। गांव तथा नगरों में नदी, तालाब, बावड़ी, कुएं और पोखरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है। जल गंगा संवर्धन अभियान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में जन आंदोलन बन गया है और इसके सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण एवं जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। वर्षा जल को अधिक से अधिक रोककर धरती के भीतर पहुंचाने के प्रयास किए जाने चाहिए। साथ ही अधिकाधिक वृक्षारोपण भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है और सामूहिक सहभागिता से ही इस दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।मंत्री कृष्णा गौर ने बताया कि गुड़ी पड़वा से प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में सीहोर जिले में अभियान को जन आंदोलन के रूप में संचालित करते हुए आम नागरिकों को व्यापक रूप से जोड़ा गया है तथा जल संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं।कार्यक्रम के आरंभ में मंत्री कृष्णा गौर ने मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की तथा कलश यात्रा में शामिल हुईं।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत तथा जिला पंचायत सीईओ सर्जन यादव ने भी संबोधित किया।

ट्विशा शर्मा मौत मामला : रिटायर्ड जज सास को हाई कोर्ट का नोटिस, सरकार बोली-जांच में सहयोग नहीं कर रहीं

भोपाल/जबलपुर। अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला अब बेहद तेजी से कानूनी और प्रशासनिक मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है। सोमवार को इस मामले में तीन बड़े घटनाक्रम सामने आए हैं। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने आरोपित सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब मांगा है। वहीं, मामले की कमान संभालते ही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम दिल्ली से भोपाल के लिए रवाना हो चुकी है।

जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा और राज्य सरकार की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। दरअसल, सरकार और पीड़ित परिवार ने ट्रायल कोर्ट (निचली अदालत) द्वारा गिरिबाला सिंह को दी गई अग्रिम जमानत का कड़ा विरोध करते हुए इसे निरस्त करने की मांग की है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट में साफ कहा कि आरोपित गिरिबाला सिंह पुलिस जांच में बिल्कुल भी सहयोग नहीं कर रही हैं। उन्हें कई बार नोटिस दिए गए, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुईं। दूसरी तरफ, गिरिबाला सिंह के वरिष्ठ वकील मृगेंद्र सिंह ने सरकारी दावों को गलत बताते हुए कहा कि उन्हें अभी तक याचिका से जुड़े जरूरी दस्तावेज ही प्राप्त नहीं हुए हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए थोड़ा समय दिया जाए।मृतका के पिता के वकील पीयूष सिंह ने बताया कि अदालत ने पूर्व जज को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर यानि 27 मई तक अपना जवाब पेश करने का आदेश दिया है।

इधर, भोपाल की जिला अदालत में भी सोमवार को गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत निरस्त करने के मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन पुलिस द्वारा केस से जुड़ा प्रतिवेदन समय पर पेश न किए जाने के कारण कोर्ट ने सुनवाई को मंगलवार तक के लिए टाल दिया है। अदालत ने स्थानीय पुलिस को कल अनिवार्य रूप से प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनुशंसा के बाद इस केस की जांच अब आधिकारिक तौर पर सीबीआई के हाथों में आ गई है। सीबीआई की एक विशेष टीम सोमवार को दिल्ली से भोपाल के लिए रवाना हो चुकी है। यह टीम आज शाम तक भोपाल पहुंचकर कटारा हिल्स थाना पुलिस से केस डायरी और अब तक की जांच का प्रभार अपने हाथों में लेगी।

वहीं, भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि 7 दिन की रिमांड पर चल रहे समर्थ सिंह से पुलिस लगातार कड़ाई से पूछताछ कर रही है। वह जो भी बयान दे रहा है, उसका तकनीकी और जमीनी साक्ष्यों के साथ क्रॉस वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पुलिस समर्थ के बैंक डिटेल्स, कॉल रिकॉर्ड्स और उसकी फरारी के दौरान रहने-खाने व छिपने में मदद करने वाले मददगारों की सूची तैयार कर रही है।

मप्र में नर्मदापुरम बना एकमात्र जिला, जहां चारों प्रकार के रेशम का होता है उत्पादन

भोपाल। मध्य प्रदेश में रेशम उद्योग को नई पहचान मिल रही है। प्रदेश के नर्मदापुरम जिले ने रेशम उत्पादन में प्रदेशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिले में मलबरी, टसर, ईरी और मूंगा, चारों प्रकार का रेशम उत्पादित हो रहा है। नर्मदापुरम प्रदेश का पहला जिला है, जहां चारों प्रकार के रेशम का उत्पादन होता है।जनसम्पर्क अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने सोमवार को बताया कि नर्मदापुरम जिले के रेशमी वस्त्र अब फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी बिक रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि जिले का मुख्य रेशम केंद्र मालाखेड़ी सिल्क कैंपस में संचालित है। यहाँ ₹फार्म से फेब्रिक₹ तक पूरी प्रक्रिया होती है। वर्ष 2025 में मालाखेड़ी केंद्र में 742 किलोग्राम मलवरी रेशम धागा उत्पादन हुआ। यहां 32 महिलाओं को 5.78 लाख रुपये की मजदूरी दी गई, जबकि 415 किलोग्राम धागे की ट्विस्टिंग में 10 महिलाओं को 2.50 लाख रुपये मिले। मालाखेड़ी में मध्य प्रदेश की पहली ककून मंडी संचालित है। यहाँ से 13,781 किलोग्राम ककून पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के व्यापारियों को भेजे गए, जिससे किसानों को 51.99 लाख रुपये की आय हुई। मालाखेड़ी में तैयार प्राकृत ब्रांड की साड़ियां और परिधान शोरूम में भी बिक रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पचमढ़ी रेशम केंद्र में 5 एकड़ क्षेत्र में मूंगा रेशम का पौधरोपण कर 500 नग ककून उत्पादन किया जा रहा है, जबकि मढ़ई रेशम उत्पादन केंद्र को सिल्क टूरिज्म के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ पर्यटक रेशम पालन की प्रक्रिया देखने आते हैं।उन्होंने बताया कि नर्मदापुरम में कुल 16 मलबरी रेशम केंद्र और 12 टसर रेशम केंद्र सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इनसे हजारों किसान और स्थानीय महिलाएं जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। वर्ष 2025 में जिले में मलबरी रेशम ककून उत्पादन 15,426.5 किलोग्राम रहा, जिससे 255 हितग्राहियों को लाभ मिला। टसर ककून उत्पादन में पिछले साल की तुलना में 2.68 लाख किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

मालाखेड़ी रेशम विकास केंद्र में अब रेशम के धागे से दवाइयाँ और मेडिकल उत्पाद भी तैयार किए जा रहे हैं। फाई ब्रोहित कंपनी और सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज के साथ अनुबंध कर यहाँ पाउडर, क्रीम, सेरी बैंडेज और सिजेरियन बैंडेज बनाए जा रहे हैं। रेशम केंद्रों के फिर से शुरू होने से महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। जिससे लखपति दीदियों की संख्या में भी वृद्धि होगी। नर्मदापुरम की यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती दे रही है और जिले की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है।

नौतपा की शुरूआत, मध्य प्रदेश के 44 जिलों में हीटवेव की चेतावनी

भोपाल। मध्य प्रदेश में नौतपा की शुरूआत आज से हो गई है और इसका असर 2 जून तक देखने को मिलेगा। 25 से 28 मई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्से भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में रहेंगे। आज सोमवार को राज्य के 44 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है, जबकि पांच जिलों में तीव्र लू को लेकर रेड अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, नौतपा के शुरूआती दिनों में भोपाल, ग्वालियर और उज्जैन समेत कई शहरों में तेज गर्मी का असर रहेगा। इन इलाकों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। नौतपा शुरू होने से पहले ही प्रदेश में गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। रविवार को खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म स्थान रहे, जहां अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा दतिया में 45 डिग्री, टीकमगढ़ और शाजापुर में 44 डिग्री, जबकि दमोह, सागर और सतना में 44.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मप्र में जैन साध्वियों की मौत को लेकर आक्रोश

सड़कों पर उतरे समाज जन, जांच और सुरक्षा नीति की मांग

भोपाल/रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में 20 मई को पैदल विहार कर रही तीन जैन साध्वियों को कार से कुचलने की घटना के बाद देशभर के जैन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस हादसे में आचार्य 108 विद्यासागर महाराज की शिष्या श्रुतमति माताजी और उपशममति माताजी की मृत्यु हो गई थी, जबकि एक अन्य आर्यिका माताजी गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के विरोध में सोमवार को मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों में जैन समाज और सकल हिंदू संगठनों ने काली पट्टी बांधकर विशाल मौन जुलूस निकाले। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर समाज ने इस घटना को 'अहिंसा पर सीधा हमला' बताते हुए आरोपितों के खिलाफ हत्या (धारा 302) के तहत मुकदमा चलाने और देश में स्थायी 'संत सुरक्षा कानून' लागू करने की पुरजोर मांग की है। राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ और विभिन्न जैन

संत सुरक्षा प्रोटोकॉल और संत सुरक्षा नीति लागू करने की उठाई मांग

संगठनों ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन कर आक्रोश पत्र सौंपा। समाज ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो देशव्यापी उग्र आंदोलन, चक्का जाम और 'भारत बंद' जैसे कदम उठाए जाएंगे। इंदौर में जैन समाज के हजारों लोग पैदल मौन रैली निकालकर सीधे कलेक्टर ऑफिस पहुंचे। समाजजन इस बात पर अड़ गए कि विषय बेहद गंभीर है, इसलिए वे ज्ञापन केवल कलेक्टर को ही सौंपेंगे और आश्वासन मिलने तक वे कलेक्ट्रेट परिसर में ही शांतिपूर्ण ढंग से डटे रहे।

जबलपुर में कमानिया गेट से घंटाघर तक 'राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान' के बैनर तले विशाल मौन जुलूस निकाला गया। समाज ने

साध्वियों की मौत पर न्याय के साथ-साथ हाल ही में ग्राम देवरान में हुई 11 जैन प्रतिमाओं की चोरी का खुलासा करने की भी मांग उठाई। गुना, सागर और विदिशा में हजारों की संख्या में युवा, महिलाएं और समाज के बुजुर्ग सड़कों पर उतरे। गुना में चौधरी मोहल्ला बड़ा मंदिर से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला गया, वहीं सागर में कटरा नमकमंडी से कोतवाली थाना तक मौन जुलूस निकाला गया। अशोकनगर, खातेगांव और आष्टा में भी जैन समाज ने जैन समाज विरोध जताया। खातेगांव में श्री दिगंबर जैन मंदिर से एसडीएम कार्यालय तक रैली निकाली गई। आष्टा में सकल श्वेताम्बर, दिगंबर समाज और सकल हिंदू समाज संगठन के नेतृत्व में विशाल रैली निकालकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। बैतूल, इटारसी, रतलाम, नर्मदापुरम, मैहर, अमरपाटन और बड़ामलहरा (छतरपुर) में भी प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर इस पूरी घटना की सीबीआई या उच्चस्तरीय एसआईटी जांच कराने की मांग की गई।

मप्र के छिंदवाड़ा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूनम का कमाल, खेल-खेल में संवार रही बच्चों का भविष्य

अनोखे अंदाज को यूट्यूब पर मिले 7 करोड़ से ज्यादा व्यूज

भोपाल। डिजिटल प्लेटफॉर्म का सही इस्तेमाल अगर समाज को बदलने के लिए किया जाए, तो परिणाम कितने सुखद हो सकते हैं, इसकी मिसाल पेश की है मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूनम चौरसिया ने। परासिया परियोजना के वार्ड क्रमांक 12 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूनम चौरसिया अपनी आंगनबाड़ी के बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाने और उनके संपूर्ण विकास के लिए अनूठे प्रयोग कर रही हैं।

जनसंपर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने सोमवार को बताया कि पूनम चौरसिया आज सोशल मीडिया पर एक चर्चित नाम बन चुकी हैं। पूनम के यूट्यूब चैनल की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस चैनल पर 71 हजार 600 से अधिक सब्सक्राइबर्स जुड़ चुके हैं। खेल-खेल में प्रारंभिक बाल्याव्यस्था, देखभाल और शिक्षा गतिविधियों को सिखाते हुए पूनम अब तक 6 हजार 800 से ज्यादा वीडियो अपलोड कर चुकी हैं, जिन्हें 7 करोड़ 48 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। यूट्यूब ही नहीं, फेसबुक और

इंस्टाग्राम पर भी उनकी वीडियो खूब पसंद किए जा रहे हैं।बताया कि एम.कॉम शिक्षित पूनम साल 2020 से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में सेवाएं दे रही हैं। वे भारत सरकार के 48 सप्ताह के 'आधारशिला पाठ्यक्रम' को रटाने के बजाय बेहद मनोरंजक तरीके से बच्चों को सिखाती हैं। पूनम बच्चों के लिये पाठ्यक्रम को इतना आसान और मजेदार बना देती हैं कि बच्चे खुद व खुद पढ़ाई की ओर खिचें चले आते है। खास बात यह है कि इन गतिविधियों के लिए वे किसी महंगे सामान का इस्तेमाल नहीं करतीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों जैसे कंकड़, पत्थर, रंग-बिरंगे कागज और घरेलू वस्तुओं के जरिए बच्चों को अक्षर ज्ञान, रंगों की पहचान, शेप और शैडो (आकृतियां और परछाईं) जैसी पेचीदा चीजें सहजता से सिखा देती हैं। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश के 98 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों में 30 लाख से अधिक बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और शाला पूर्व शिक्षा दी जा रही है। आंगनबाड़ी देश का एकमात्र ऐसा संस्थान है जहां पोषण के साथ पढ़ाई भी होती है। पूनम ने इस अवधारणा को पूरी तरह धरातल पर उतारा है। उन्होंने भारत सरकार के 'पोषण भी-पढ़ाई भी' (पीबीपीबी) अभियान के तहत प्रथम चरण का प्रशिक्षण लिया और उत्कृष्ट कार्य के चलते दूसरे चरण में वे 'स्टार चैंपियन कार्यकर्ता' के रूप में चुनी गईं।

इसके बाद उन्होंने 'निपसिड' (एनआईपीसीसीडी) से मास्टर ट्रेनर के रूप में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान में उनके केंद्र में 3 से 6 आयु वर्ग के 43 बच्चे दर्ज हैं, जिनमें से 22 बच्चे नियमित रूप से शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूनम के इस अभिनव प्रयास का सबसे बड़ा असर स्थानीय समाज पर पड़ा है। क्षेत्र के अभिभावक निजी स्कूलों को छोड़कर अपने बच्चों को पूनम की आंगनबाड़ी केंद्र में भेज रहे हैं। माता-पिता स्वयं बच्चों को केंद्र पर छोड़ने और लेने आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूनम ने आंगनबाड़ी के पारंपरिक ढर्रे को बदलकर उसे एक आधुनिक शिक्षा केंद्र का रूप दे दिया है।

रचना टॉवर के बेसमेंट में कार में लगी आग

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रचना नगर स्थित रचना टॉवर के बेसमेंट में सोमवार दोपहर को पार्किंग में खड़े दो वाहनों में अचानक आग लग गई। आग लगने से पूरी मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में गहरा धुआं भर गया, जिससे रहवासियों में हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।प्रत्यक्षदर्शियों और शुरूआती जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे की है। रचना टॉवर के बेसमेंट में एक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को चार्जिंग पर लगाया गया था। आशंका जताई जा रही है कि चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट या बैटरी ओवरहीट होने की वजह से अचानक उसमें आग भड़क गई। जिस वक्त इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगी, उसके ठीक पास कई अन्य गाड़ियां भी पार्क थीं। टू-व्हीलर से उठीं तेज लपटों ने तुरंत ही पास में खड़ी एक एसयूवी कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही पूरी बिल्डिंग में काले धुएं का गुबार भर गया। कई परिवारों के रहने के कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई। शुरूआत में कुछ स्थानीय लोगों और रहवासियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों पर कमलनाथ ने सरकार को घेरा, बोले- महंगाई से जनता बेहाल

भोपाल। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही राजधानी भोपाल समेत पूरे मध्य प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी बढ़ गई है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार पर निशाना साधा है।कमलनाथ ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- आज पेट्रोल और डीजल की कीमत में क्रमशः 2.61 रुपए प्रति लीटर और 2.71 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि के साथ मध्य प्रदेश में डीजल 100 रुपए के पार और पेट्रोल 115 रुपए लीटर तक महंगा हो गया है। कमलनाथ ने आगे कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने 15 मई को हुई पहली बढ़ोत्तरी के समय ही कहा था कि यह शुरूआत है और अभी लगातार कीमत बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने समय रहते ही देश के सामने आ रहे आर्थिक संकट और महंगाई के बारे में एक्शन लेने को कहा था। लेकिन सरकार समय रहते नहीं चेती। दुर्भाग्य की बात है कि सरकार महंगाई रोकने के लिए टैक्स में कटौती करने के बजाय सारा बोझ जनता पर डाल रही है। सरकार इस सच्चाई से मुँह फेर रही है कि जब कच्चे तेल के दाम कम थे तब तेल की कीमतें कम नहीं की गई थीं।कमलनाथ ने कहा कि सरकार के इसी रवैये के कारण नए रेट के मुताबिक, भोपाल में 1 लीटर पेट्रोल की कीमत 114.65 रुपए और डीजल 99.74 रुपए में हो गई है। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में उज्जैन में तेल सबसे ज्यादा महंगा है। डीजल 100.11 रुपए और पेट्रोल 115.03 रुपए में मिलेगा। इंदौर में 114.54 रुपए में पेट्रोल और 99.57 रुपए में डीजल दिया जाएगा। जबलपुर और ग्वालियर में भी कीमतें बढ़ी है। गौरतलब है कि पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। इसके साथ ही लगातार बढ़ती महंगाई ने रोजाना सफर करने वाले लोगों, छोटे व्यापारियों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है।

राजगढ़ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो युवकों से साढ़े तीन लाख की स्मैक जब्त

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में भोजपुर थाना पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये कीमत की स्मैक बरामद की है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अजय यादव ने सोमवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ ऑपरेशन शुद्धि अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एएसपी केएल बंजारे और एसडीओपी धर्मवीर नागर के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने ग्राम पिपल्दी स्थित रेलवे अंडरब्रिज के पास दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने हजारीलाल तंवर (30) निवासी खाजली थाना भोजपुर और लालसिंह तंवर (45) निवासी गुंदीपुरा थाना भोजपुर को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से 35 ग्राम स्मैक बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपये बताई गई है।

मप्र: मैपकास्ट के 'सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग' में विज्ञान आधारित कार्यशालाओं का आयोजन

भोपाल। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के अंतर्गत संचालित सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग में सोमवार को वर्चुअल साइंस फन कैंप एवं साइंस ऑफ साउंड्स विषयक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, रचनात्मक चिंतन एवं तकनीकी समझ विकसित करना था। कार्यशालाओं में विभिन्न विद्यालयों से आए 34 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े आधुनिक डिजिटल उपकरणों, प्रयोगात्मक गतिविधियों एवं व्यवहारिक वैज्ञानिक अवधारणाओं की जानकारी प्राप्त की। मैपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रवि भारद्वाज, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण डिगर्रा, संयुक्त परियोजना संचालक डॉ. मनोज राठौर और प्रधान वैज्ञानिक डॉ. समीर द्वारा प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मैपकास्ट के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विकास शेंडे, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय चौधरी और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी भूपेश सक्सेना ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विज्ञान शिक्षा में प्रयोगात्मक अधिगम, जिज्ञासा एवं रचनात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को ऑनलाइन वैज्ञानिक उपकरणों एवं डिजिटल लैब टूल्स के उपयोग की जानकारी दी गई। वर्चुअल माइक्रोस्कोप, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, ओरिगामी और विभिन्न डिजिटल प्रयोगशाला उपकरणों के वैज्ञानिक उपयोग एवं महत्व को विद्यार्थियों ने समझा। कार्यशाला में रोचक गतिविधियों एवं हैंड्स-ऑन प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों को मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली बताई गई।

मप्र वन विभाग ने समूह से अलग होकर भटक रहे नर हाथी 'ई-5' का किया सफल रेस्क्यू

हाथी हमलों में मुआवजा राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपये की गई

भोपाल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले और दक्षिण शहडोल में जनहानि का कारण बने नर हाथी 'ई-5' को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर बांधवगढ़ भेज दिया है। इस मुहिम के साथ ही सरकार ने वन्यजीव संरक्षण के तहत हाथी हमलों में मुआवजा राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में हाथियों के संरक्षण, उनकी सुरक्षा तथा मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष संवेदनशीलता दिखाई है। उनका मानना है कि हाथी जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के महत्वपूर्ण संरक्षक हैं। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में हाथियों की निगरानी, संरक्षण एवं मानव-हाथी सह-अस्तित्व को लेकर लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अनूपपुर एवं दक्षिण शहडोल वन मंडल के वन क्षेत्रों में कई दिनों से विचरण कर रहे नर हाथी ई-5 को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का बड़ा अभियान सम्पन्न किया गया। जनसंपर्क अधिकारी के.के. जोशी ने सोमवार को जानकारी दी कि हाथी ई-5 के कारण हाल के दिनों में मानव-हाथी संघर्ष की अनेक घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें जनहानि, मवेशियों की क्षति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मकानों को नुकसान पहुंचने की घटनाएं शामिल थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए

मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक डॉ. समिता राजौरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति के मार्गदर्शन में दक्षिण शहडोल वन मंडल के केशवाही रेंज में व्यापक रेस्क्यू एवं ट्रांसलोकेशन ऑपरेशन प्रारंभ किया गया।

मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक द्वारा हाथी सलाहकार समिति एवं वरिष्ठ फील्ड अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। इसके बाद फील्ड डायरेक्टर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व डॉ. अनुपम सहाय तथा मुख्य वन संरक्षक शहडोल महेंद्र प्रताप सिंह के संयुक्त नेतृत्व में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, दक्षिण शहडोल, उत्तर शहडोल एवं अनूपपुर वन मंडलों की संयुक्त टीमों द्वारा अभियान संचालित किया गया।रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू होने से पहले लगातार जमीनी निगरानी, रात्रिकालीन गश्त, ड्रोन आधारित मॉनिटरिंग, हाथी की गतिविधियों की रीयल-टाइम ट्रैकिंग तथा ग्रामीणों को जागरूक करने का कार्य किया गया।

संवेदनशील गांवों में सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से लगातार अलर्ट जारी किए गए और वन अमले ने स्थानीय समुदायों के साथ चौबीसों घंटे समन्वय बनाए रखा। रणनीति के तहत बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से प्रशिक्षित कुमकी हाथियों, महावतों, वन्यजीव चिकित्सकों एवं वन अमले की विशेष टीम को मौके पर तैनात किया गया। प्रशिक्षित हाथियों का उपयोग ई-5 की गतिविधियों को नियंत्रित करने, दिशा-निर्देशन तथा व्यवहारिक स्थिरता बनाए रखने में किया गया।ऑपरेशन क्षेत्र का 20 मई को विस्तृत निरीक्षण कर अंतिम रणनीतिक कार्ययोजना तैयार की गई। वन्यजीव चिकित्सकों की विशेषज्ञ टीम भी मौके पर पहुंची। उसी शाम महावतों ने कुमकी हाथियों के साथ ई-5 से प्रथम संपर्क स्थापित किया। इस दौरान हाथी ई-5 ने कुमकी हाथी रामा के साथ शांत एवं गैर-आक्रामक व्यवहार प्रदर्शित किया। इससे विशेषज्ञों को यह समझने में मदद मिली कि हाथी सामाजिक रूप से अपने झुंड से अलग हो चुका है तथा तनावग्रस्त स्थिति में लगातार विचरण कर रहा है। इसके बाद सक्रिय रेस्क्यू ऑपरेशन को अंतिम रूप दिया गया। 22 मई की सुबह लगभग 5 बजे ट्रैंक्विलाइजेशन की प्रक्रिया के साथ सक्रिय रेस्क्यू अभियान प्रारंभ हुआ।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार
मंगलवार, 26 मई 2026
विक्रम संवत्- 2083, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, एकादशी

फिर बढ़ी पेट्रोल-डीजल की कीमतें

आम आदमी पर बोझ और नीतिगत असफलताइस माह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चौथी बार वृद्धि हुई है। दिल्ली में पेट्रोल 2.61 प्रति लीटर और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा हो गया। यह वृद्धि महज आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि लाखों-करोड़ों परिवारों की रोजी-रोटी, परिवहन लागत और समग्र मुद्रास्फीति पर सीधा प्रहार है। जब देश पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है, तब ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतें सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। ईंधन की कीमतें सीधे पूरे अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। परिवहन क्षेत्र सबसे बड़ा उपभोक्ता है। ट्रक, बस, टैक्सी और ऑटो रिक्शा की बढ़ती लागत अनिवार्य रूप से हर वस्तु की कीमत बढ़ा देती है। सब्जी-फल, दूध, दाल, दवा, निर्माण सामग्री लगभग सब कुछ। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान खेती के लिए डीजल महंगा खरीदते हैं, जिससे कृषि लागत बढ़ती है और उपज की कीमतें आसमान छूती हैं। मध्यम वर्गीय परिवार, जिनकी आय स्थिर है, अब पेट्रोल-डीजल पर अधिक खर्च करके अन्य जरूरतों से समझौता करने को मजबूर हैं। इस माह चौथी बार हुई वृद्धि ने तो जैसे आग में घी डाल दिया है। सरकार अक्सर अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों को दोष देती है। निःसंदेह, वैश्विक स्तर पर उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। लेकिन भारत जैसे बड़े आयातक देश को इस पर पूर्ण निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। पिछले वर्षों में जब कच्चा तेल सस्ता हुआ, तब कीमतें कम करने में उत्साह नहीं दिखाया गया। बल्कि एक्साइज ड्यूटी और वैट के रूप में केंद्र व राज्य सरकारें भारी राजस्व जमा करती रहीं। आज जब आम आदमी दबाव में है, तब भी राहत देने के बजाय बोझ बढ़ाया जा रहा है। यह 'टैक्स एंड स्पेंड' की मानसिकता दर्शाती है, जिसमें उपभोक्ता हमेशा हारे हुए पक्ष पर होता है। सबसे चिंताजनक बात मुद्रास्फीति का चक्र है। रिजर्व बैंक पहले ही चिंता जता चुका है। ईंधन महंगा होने से परिवहन मुद्रास्फीति बढ़ेगी, जो खाद्य मुद्रास्फीति को और उकसाएगी। गरीब और निम्न मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होंगे। जहां एक ओर सरकार 'अमृत काल' और विकसित भारत की बात करती है, वहीं आम नागरिक महंगाई की मार से त्रस्त है। बेरोजगारी और कम आय वृद्धि के बीच यह वृद्धि उपभोक्ता मांग को और दबाएगी, जिससे औद्योगिक विकास प्रभावित होगा। इस संकट का समाधान केवल कीमतें घटाने में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीतिगत सुधारों में है। पहले, ईंधन पर लगने वाले भारी टैक्सों की समीक्षा जरूरी है। एक्साइज ड्यूटी को तर्कसंगत बनाया जाए। दूसरे, रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण को मजबूत कर कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव से बचाव किया जाए। तीसरे, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहन दिया जाए ताकि दीर्घावधि में निर्भरता कम हो। चौथे, पारदर्शिता अपनाई जाए, कीमत निर्धारण में तेल कंपनियों की भूमिका और सरकार का हस्तक्षेप स्पष्ट हो। जनता समझदार है। वह जानती है कि वैश्विक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन वह यह भी देख रही है कि पड़ोसी देशों या कुछ अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में ईंधन प्रबंधन बेहतर है। सरकार को 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत को ईंधन नीति में भी लागू करना चाहिए। राहत पैकेज, लक्षित सब्सिडी या टैक्स में कटौती जैसे तत्काल कदम उठाए जा सकते हैं। अंततः, अर्थव्यवस्था की रीढ़ आम आदमी है। यदि उसकी क्रय शक्ति लगातार कमजोर होती रही, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। पेट्रोल-डीजल की चौथी वृद्धि सिर्फ एक आर्थिक घटना नहीं, बल्कि नीति-निमार्ताओं के लिए चेतावनी है। समय आ गया है कि महंगाई को नियंत्रित करने, जन-कल्याण को प्राथमिकता देने और सतत विकास के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया जाए। अन्यथा, विकास की गाड़ी ईंधन की महंगाई की खाई में फंस जाएगी।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है।

लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' का उद्घोष किया, जिस धरती से 'वसुधैव कुटुम्बकम' का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं।

परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 'गलती' केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं।

यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 'वृद्ध सम्मान' को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले।

साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं।

माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मयार्दाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा।

अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नौ दिन तपायेगा नौतपा

बाल मुकुंद ओझा

हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ का महीना सबसे गर्म माना जाता है और इस दौरान सूर्य देव अपने चरम पर होते हैं। वहीं मान्यता यह है कि इसी दौरान नौतपा आता है, जिसका मतलब है साल के सबसे ज्यादा गर्म 9 दिन। देश में नौतपा 25 मई से शुरू हो गया है और यह 2 जून तक रहेगा। नौतपा' का मतलब होता है नौ दिनों की तपन।

इन 9 दिनों में तेज धूप, गर्म हवाएं और लू का असर देखने को मिल सकता है। पंचांग के मुताबिक सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ ही नौतपा की शुरूआत हो जाती है। इन 9 दिनों में सूर्य प्रचंड गर्मी फैलाते हैं। हर साल मई के अंत और जून की शुरूआत में पड़ने वाले इन नौ दिनों को साल के सबसे गर्म दिनों में गिना जाता है। ज्योतिष शास्त्र और भारतीय पंचांग में इसका विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दौरान सूर्य की तपिश सबसे अधिक प्रभावशाली होती है। मान्यताओं के अनुसार अगर नौतपा के दौरान अच्छी गर्मी पड़े तो आने वाला मानसून बेहतर माना जाता है। किसानों के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

देश और प्रदेश में भीषण और जानलेवा गर्मी और लू ने आमजन के छक्के छुड़ा दिए है। इस बार गर्मी ने प्रारम्भ से ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए। मार्च का महीना अपेक्षाकृत अनुकूल वातावरण वाला महीना है। मार्च के शुरू में ठण्ड थी मगर अंत आते आते पहले पंखे चले और फिर कूलर और एसी चलने लगे।

गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया और देखते देखते लोग तेज गर्मी से बेहाल हो गए। बताते है की ऋतुओं में सर्दी का असर केवल तीन माह ही रहता है। मार्च से शुरू हुई गर्मी अगस्त और सितंबर तक अपना असर दिखती है। वर्षा के बाद बसंत केवल दो माह अपना असर छोड़ता है। कहने का तात्पर्य है सर्वाधिक गर्मी रहती है और वह भी व्याकुल करने वाली। इसी के साथ गर्मीजन्य बीमारियां और पेयजल की किल्लत शुरू हो जाती है। जलवायु परिवर्तन के अजब गजब नजारों के मध्य नौतपा 25 मई से शुरू हो गया है। सूरज ने आग उगलना शुरू कर दिया है। आसमान में आग उगलता सूरज और तवे सी तपती धरती ने मैदानी क्षेत्र को झुलसा कर रख दिया है।

गर्मी के रौद्र रूप धारण कर लेने से समूचा उत्तर और मध्य भारत त्राहि त्राहि कर रहा है। अल सुबह से रात तक राहत नहीं मिलने से मानव जीवन व्याकुल हो रहा है। सवेरे नलों में छत पर रखी टंकी से गर्म पानी आने से शौच के साथ नहाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर भारत के कई शहर एसी-कूलर को फेल कर देने वाली गर्मी से तप रहे हैं। थार के रेगिस्तान में बसे राजस्थान की गर्मी जेठ महीने के साथ ही अपने रौद्र रूप में आ गई है। राज्य के ज्यादातर हिस्से लू की चपेट में हैं और गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। विशेषकर नौतपा के 9 दिनों में गर्मी अपने चरम पर होगी। नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून को समाप्त होगा। ये 9 दिन गर्मी सबसे अधिक होती है।

गांव की चौपाल से चाय पान की दुकानों पर लोग गरम लू और गर्मी से जूझ रहे है। गर्मी अपने रौद्र रूप में लोगों को बेहाल किये हुए है। देश के अनेक स्थानों पर तापमान 48 डिग्री तक पहुँच रहा है। पानी बिजली संकट के साथ भीषण और जानलेवा गर्मी और लू ने आमजन के छक्के छुड़ा दिए है। नौतपा के दौरान गर्मी से बचाव के लिए जरूरतमंद और राहगीरों को पानी पिलाना चाहिए। आप इस दौरान प्याऊ भी लगवा सकते हैं। ऐसा करना भी बहुत शुभ माना जाता है। नौतपा में लोगों को शरबत, दूध, दही आदि दान करना भी बहुत पुण्यकारी माना जाता है। नौतपा के दौरान सूर्य देव की उपासना करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। साथ ही समाज में सम्मान भी बढ़ता है। साथ ही इस दौरान मौसमी फलों जैसे खरबूजा, तरबूज, आम और गुड़ या चीनी आदि का भी दान भी किया जा सकता है।

नौतपा के दौरान ये सभी काम करने से साधकों को सूर्य देव की असीम कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। मान्यता है कि सूर्य की गर्मी और रोहिणी के जल तत्व के कारण यह मानसून का गर्भ आ जाता है और इसी कारण नौतपा को मानसून का गर्भकाल माना जाता है। ऐसे में जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस समय चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं। जबर्दस्त तेज गर्म हवाओं ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। देश में भीषण गर्मी का दौर जारी है और पारा 48 डिग्री को पार गया है। अनेक क्षेत्रों में सड़कें सुनी नजर आईं। बाजारों में सन्नाटा पसरा दिखा।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

महंगा पेट्रोल लाया !

कृष्णेन्द्र राय

ये तोहफा आप कर लें कुबूल ।
माफ करना हुई जो हमसे भूल ।।
क्योंकि दुनियां में छाई महंगाई ।
महंगा पेट्रोल लाया ।।
क्रूड ऑयल ने सबको रूलाया ।।
आहट युद्ध की ये सबको डराया ।।
हैं थोड़े सतर्क हम ।
पर बोझ थोड़ा डाल दिया ।।
ये तोहफा आप कर लें कुबूल ।
माफ करना हुई जो हमसे भूल ।।
क्योंकि दुनिया में छाई महंगाई ।
महंगा पेट्रोल लाया ।।
ना चिंता ना कोई फिकर है ।
भरा भी है सरकारी खजाना ।।
ली है जिम्मेदारी तो ।
वादा भी निभाना ।।

सूडोकु नवताल- 7806

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7805 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

'योगी मतलब जीत की गारंटी'

राष्ट्रीय राजनीति में उभरा भाजपा का सबसे प्रभावशाली स्टार प्रचारक

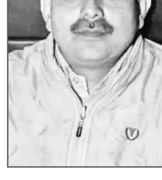

अमित सिंह मोनू

उत्तर प्रदेश से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने 2017 से 2026 के बीच देश के अनेक विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए आक्रामक, राष्ट्रवादी और विकास आधारित प्रचार का नेतृत्व किया। बंगाल से गुजरात, त्रिपुरा से राजस्थान और लोकसभा चुनावों तक योगी की सभाओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरी, हिंदुत्व और सुशासन की राजनीति को धार दी तथा कई राज्यों में भाजपा की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। **'योगी फैक्टर' : एक मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय चेहरा बनने तक-** भारतीय राजनीति में कुछ नेता केवल अपने राज्य तक सीमित रहते हैं, जबकि कुछ नेता राष्ट्रीय प्रभाव छोड़ते हैं। योगी आदित्यनाथ उन नेताओं में शामिल हो चुके हैं जिनकी राजनीतिक शैली, भाषण क्षमता, प्रशासनिक छवि और संगठनात्मक स्वीकार्यता ने उन्हें भाजपा का सबसे भरोसेमंद स्टार प्रचारक बना दिया है। 2017 में उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था, धार्मिक-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास और गरीब कल्याण को जिस प्रकार राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया, उसने भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर एक नया प्रचार मॉडल दिया। आज भाजपा के चुनावी अभियानों में 'मोदी की गारंटी' के साथ 'योगी फैक्टर' भी एक प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति बन चुका है।

2017 : उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक जीत और योगी युग की शुरूआत : 2017 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भारतीय राजनीति का टर्निंग पॉइंट माना जाता है। भाजपा ने प्रचंड बहुमत हासिल किया और इसके बाद योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया गया। यहीं से भाजपा ने योगी को केवल एक क्षेत्रीय नेता नहीं बल्कि हिंदुत्व और निर्णायक प्रशासन के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया। उत्तर प्रदेश में अपराध नियंत्रण, माफिया कार्रवाई, धार्मिक स्थलों के विकास, एक्सप्रेसवे, निवेश और गरीब कल्याण योजनाओं ने योगी की छवि को 'कठोर लेकिन परिणाम देने वाले नेता' के रूप में स्थापित किया। **2018-2019 : हिंदी पट्टी से पूर्वोत्तर तक योगी का विस्तार :** 2018 के बाद भाजपा ने योगी आदित्यनाथ को कई राज्यों में स्टार प्रचारक के रूप में उतारा।

त्रिपुरा में भाजपा की ऐतिहासिक सफलता : त्रिपुरा में भाजपा ने वामपंथी शासन को समाप्त करने के लिए आक्रामक प्रचार अभियान चलाया। योगी आदित्यनाथ की सभाओं ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा और भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। त्रिपुरा में योगी की हिंदुत्व आधारित राष्ट्रवादी अपील भाजपा के लिए लाभकारी साबित हुई।

2019 लोकसभा चुनाव : 'मोदी के साथ योगी' मॉडल- 2019 के लोकसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ भाजपा के सबसे व्यस्त प्रचारकों में शामिल रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट और कर्नाटक समेत कई राज्यों में दर्जनों रैलियां कीं। उनके भाषणों में राष्ट्रवाद, सुरक्षा, राम मंदिर, हिंदुत्व और गरीब कल्याण प्रमुख मुद्दे रहे। भाजपा को 303 सीटों की ऐतिहासिक जीत मिली और राजनीतिक विश्लेषकों ने माना कि हिंदी भाषी राज्यों तथा बंगाल जैसे क्षेत्रों में योगी की सभाओं ने भाजपा के कोर वोट को मजबूत किया।

पश्चिम बंगाल : जहां 'योगी फैक्टर' सबसे ज्यादा चर्चा में आया

पश्चिम बंगाल में भाजपा ने योगी आदित्यनाथ को विशेष रणनीति के तहत उतारा। बंगाल में योगी की सभाओं में भारी भीड़ जुटी। उन्होंने धार्मिक पहचान, सीमा सुरक्षा, घुसपैठ, दुर्गा पूजा, जय श्रीराम और हिंदू अस्मिता जैसे मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता तक तो नहीं पहुंच सकी, लेकिन उसने 3 सीटों से बढ़कर 77 सीटें जीत लीं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार बंगाल में भाजपा के अभूतपूर्व विस्तार के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की संयुक्त रणनीति महत्वपूर्ण रही। योगी ने जिन क्षेत्रों में प्रचार किया वहां भाजपा का वोट प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ा।

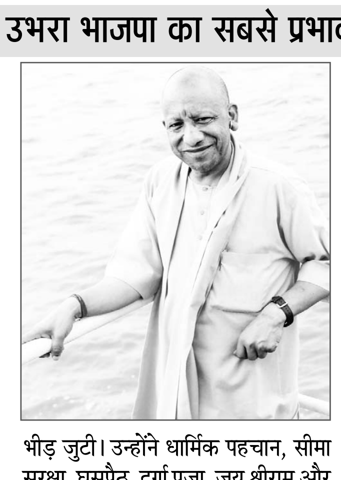

गुजरात : हिंदुत्व और विकास का संयुक्त मॉडल- गुजरात विधानसभा चुनावों में योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के लिए कई जनसभाएं कीं। गुजरात में योगी की छवि एक ऐसे मुख्यमंत्री की रही जिसने उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत किया। भाजपा ने इसे 'डबल इंजन मॉडल' के विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया। गुजरात में भाजपा की रिकॉर्ड जीत के दौरान योगी की सभाओं ने उत्तर भारतीय मतदाताओं और युवा वर्ग को विशेष रूप से प्रभावित किया।

राजस्थान और मध्य प्रदेश : हिंदुत्व प्लस सुशासन- राजस्थान और मध्य प्रदेश के चुनावों में योगी आदित्यनाथ ने दर्जनों सीटों पर प्रचार किया। उनके भाषणों का मुख्य केंद्र रहा– कानून व्यवस्था धार्मिक आस्था महिला सुरक्षा, माफिया पर कार्रवाई, गरीब कल्याण योजनाएं-बुलडोजर मॉडल, भाजपा ने इन राज्यों में योगी की लोकप्रियता का उपयोग विशेष रूप से शहरी और युवा मतदाताओं के बीच किया। मध्य प्रदेश में भाजपा की बड़ी जीत और राजस्थान में कांग्रेस विरोधी माहौल को मजबूत करने में योगी की सभाओं को प्रभावशाली माना गया। दक्षिण भारत में भी बढ़ती स्वीकार्यता कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में भी भाजपा ने योगी आदित्यनाथ को हिंदुत्व के मजबूत चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि दक्षिण भारत की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन भाजपा कार्यकताओं के बीच योगी की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है।

'बुलडोजर बाबा' की राजनीतिक ब्रांडिंग- योगी आदित्यनाथ की सबसे चर्चित राजनीतिक पहचान 'बुलडोजर बाबा' की बनी। अवैध कब्जों, माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई ने उनकी छवि को कठोर प्रशासक के रूप में स्थापित किया। भाजपा ने कई चुनावों में इस छवि को राजनीतिक रूप से उपयोग किया। समर्थकों ने इसे 'कानून का राज' बताया, जबकि विरोधियों ने इसे कठोर राजनीति कहा। लेकिन इसमें संदेह नहीं कि यह छवि जनमानस में गहराई से स्थापित हुई।

क्या सचमुच 'योगी मतलब जीत की गारंटी' ? राजनीति में किसी एक नेता को पूरी जीत का श्रेय देना उचित नहीं माना जाता। चुनाव अनेक कारकों से प्रभावित होते हैं–संगठन, स्थानीय नेतृत्व, जातीय समीकरण, केंद्र सरकार की नीतियां और क्षेत्रीय परिस्थितियां। लेकिन यह भी सच है कि 2017 से 2026 के बीच भाजपा ने जिन राज्यों में योगी आदित्यनाथ को आक्रामक तरीके से प्रचार में उतारा, वहां भाजपा के कोर वोट बैंक का ध्रुवीकरण मजबूत हुआ और कार्यकताओं का मनोबल बढ़ा। विशेष रूप से हिंदी पट्टी और हिंदुत्व आधारित राजनीतिक विमर्श वाले राज्यों में योगी भाजपा के सबसे प्रभावी प्रचारकों में उभरे हैं।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज का राशिफल

मेष- अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

वृष- महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है।

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। अच्छे समय इन्तजार करें।

कर्क- सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा।

सिंह- अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है।

कन्या- कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा।

तुला- पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक- दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

धनु- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर- मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी।

कुंभ- स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

मीन- सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

पं0 सुभाष पाण्डेय: हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

सनावल रोड पर हादसा, ईंट लदे ट्रैक्टर ने चार युवकों को रौंदा

ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी पुलिस, गांव में पसरा मातम

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र में रविवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। ग्राम पीपरपान के पास सनावल रोड पर तेज रफ्तार ईंट लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से चार युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने वाहन रोकने के बजाय घायलों को काफी दूर तक घसीट दिया, जिससे उनकी हालत और गंभीर हो गई।

जानकारी के अनुसार मृतक युवक डिंडो बाजार से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 6:30 बजे सुन्दरपुर मोड़ से आगे ग्राम पीपरपान के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रैक्टर ईंट से लदा हुआ था और चालक लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहा था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चारों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि हादसे के बाद चालक ने ट्रैक्टर रोकने की कोशिश नहीं की और घायल युवकों को करीब 100 मीटर तक घसीटता चला गया।

इस हादसे में रमेश पण्डो (19वर्ष), मनोज पण्डो (21वर्ष), नरेश पण्डो (19वर्ष) और राकेश पण्डो (17वर्ष) की मौत हो गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां चीख-पुकार और मातम का माहौल बन गया।

ग्रामीणों और मृतकों के परिजनों ने प्रशासन पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर समय पर बेहतर इलाज और त्वरित मदद मिल जाती तो शायद कुछ युवकों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर और उसके चालक को जल्द पकड़ने की मांग की है। साथ ही दोषी चालक पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई जा रही है। मामले में सनावल थाना प्रभारी टीआई बृजलाल भारद्वाज ने आज बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए वाड्रफनगर अस्पताल भेजा जा रहा है। पुलिस दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर और चालक की तलाश में जुटी हुई है।

पुसौर-गढ़ उमरिया मार्ग पर चाकूबाजी व लूट की घटना, तीन युवक घायल

रायगढ़। जिला के पुसौरझगढ़ उमरिया मार्ग पर रविवार रात चाकूबाजी और लूट की गंभीर घटना सामने आई है। पुसौर निवासी किसलय गुप्ता अपने साथी अवधूत सरल के साथ अपने जीजा रोहित कुमार प्रधान निवासी सराईपाली तमनार को बाइक से रायगढ़ छोड़ने जा रहे थे। इसी बीच मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उनसे मारपीट कर मोबाइल लूटकर फरार हो गए। मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पुसौर निवासी किसलय गुप्ता रविवार की रात अपने साथी अवधूत सरल के साथ अपने जीजा रोहित कुमार प्रधान निवासी सराईपाली तमनार को बाइक से रायगढ़ छोड़ने जा रहे थे। रात करीब 9 बजे गढ़ उमरिया आनंदडीपा के पास वे लघुशंका के लिए रुके, तभी तीन अज्ञात युवक मोटरसाइकिल से पहुंचे और धमकाते हुए मोबाइल छीनने का प्रयास करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने किसलय गुप्ता पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में किसलय के सिर पर गंभीर चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंचे रोहित कुमार प्रधान एवं अवधूत सरल पर भी आरोपितों ने चाकू से वार कर घायल कर दिया। घटना के दौरान आरोपित किसलय का मोबाइल फोन लूटकर मौके से फरार हो गए।

इसी बीच किसी तरह तीनों पुसौर वापस आ गए तथा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, पुसौर अस्पताल में प्रारंभिक चिकित्सा कराई गई। देर रात पुसौर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहित सतपथी तथा रितेश थवाईत भी पहुंचे चूंकि पुसौर थाने में एफ आई आर लिखने में आनाकानी की जा रही थी ऐसे में जन प्रतिनिधियों के दबाव के बाद एफ आई आर लिखी गई तथा घटना स्थल जूटमिल थाना क्षेत्र होने के कारण फाइल जूटमिल थाना भेजी गई। इस घटना के बाद से पुसौर गढ़ उमरिया मार्ग पर अब यात्रा करना लोग डर रहे हैं।

थाना प्रभारी अभिनव कांत ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एफ आई आर दर्ज कर लो गई है शीघ्र ही आरोपितों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी । ग्रामीणों को पुलिस अधीक्षक से उम्मीद है कि लूट और चाकूबाजी की इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी कर लेंगे तथा लोग स्वच्छंद रूप से आवाजाही कर सकेंगे ।

चौथी बार बढ़ी पेट्रोल-डीजल के दाम, आम जनता पर बढ़ा बोझ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से आम लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। राज्य में पिछले 10 दिनों के भीतर चौथी बार ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। नई दरें आज सोमवार की सुबह 6 बजे से लागू कर दी गई हैं। इस बार पेट्रोल के दाम में 2.48 रुपये से लेकर 4.13 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हुई है, जबकि डीजल 2.60 रुपये से 4.28 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हुआ है।

तेल कंपनियों की ओर से जारी नई कीमतों का असर रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर, सरगुजा, रायगढ़ समेत प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में देखने को मिल रहा है। लगातार बढ़ती कीमतों ने वाहन चालकों, ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां पेट्रोल की कीमत बढ़कर 108.06 रुपये प्रति लीटर हो गई है। पेट्रोल में 2.70 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं डीजल की कीमत 101.32 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है, जिसमें 2.85 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

न्यायधानी बिलासपुर में पेट्रोल अब 108.71 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। यहां 2.77 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं डीजल 101.97 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जो पहले की तुलना में 2.92 रुपये महंगा है। ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। पेट्रोल और डीजल महंगे होने से रोजमर्रा की वस्तुओं की ढुलाई लागत भी बढ़ेगी, जिससे आने वाले दिनों में महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी का कहर, नौतपा की हुई शुरूआत

रायपुर। रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का दौर लगातार जारी है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया। कई जिलों में अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार नौतपा की शुरूआत हो चुकी है और आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना बेहद कम है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, धमतरी, और राजनांदगांव सहित कई संभागों में तापमान 44त्ज से 46त्ज तक दर्ज किया गया है।मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में लू (हीट वेव) को लेकर ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किए हैं। राजनांदगांव रविवार को प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जबकि रायपुर में अधिकतम तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें।शरीर में पानी की कमी न होने दें और थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें। सफर में निकलते समय सिर को सूती कपड़े से ढकें और धूप के चश्मे का प्रयोग करें।खानपान में नींबू पानी, छाछ, मट्ठा, और मौसमी फलों के रस को शामिल करें। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार नौतपा के दौरान तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है।

खारून नदी में कूदा युवक, मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में खारून नदी किनारे एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पुलिस पेट्रोलिंग वाहन को देखकर एक 19 वर्षीय युवक नदी में कूद गया और उसकी डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मृतक की पहचान रोशन नडार (19 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रामनगर, गुढ़ियारी क्षेत्र का निवासी था। जानकारी के अनुसार, घटना के समय रोशन अपने साथी यशवंत साहू के साथ खारून नदी किनारे मौजूद था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही पुलिस पेट्रोलिंग वाहन मौके पर पहुंचा, युवक घबरा गया और अचानक नदी में कूद गया। बताया जा रहा है कि युवक को बचाने के लिए तत्काल कोई प्रयास नहीं किया गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ती चली गई। मृतक के साथी यशवंत साहू ने परिजनों को बताया कि घटना के बाद उसने आसपास के लोगों की मदद से रोशन को नदी से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने युवक को बचाने की बजाय वीडियो बनाने में समय गंवाया और तत्काल रेस्क्यू प्रयास नहीं किए, जिससे युवक की जान चली गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिस की लापरवाही के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बरकेला जलाशय के कार्यों के लिए 3.80 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखण्ड-मनेन्द्रगढ़ की बरकेला जलाशय योजना की नहरों के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 3 करोड़ 80 लाख 20 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण होने के उपरांत रूपांकित सिंचाई क्षमता 285 हेक्टेयर के विरूद्ध 254 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के कार्यों को पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग अंबिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

दंतैल हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत, हाई अलर्ट जारी

रायपुर। बलौदाबाजार जिले के बारनवापारा अभयारण्य क्षेत्र में एक दंतैल हाथी के हमले की घटना में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई। मृतक के परिजनों को वन विभाग द्वारा तात्कालिक सहायता राशि 25,000 रुपये प्रदान की गई है तथा शासन के नियमानुसार आगे की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 मई की रात्रि लगभग 8:30 से 9:00 बजे के बीच बारनवापारा अभयारण्य अंतर्गत ग्राम दोंद में ग्राम के ही जहरु राम नेताम (55 वर्ष) की एक दंतैल हाथी के हमले में मृत्यु हो गई। दंतैल हाथी पिछले कुछ दिनों से मुरुमडीह क्षेत्र के आसपास लगातार विचरण कर रहा था तथा खेत-खलिहानों की ओर उसकी आवाजाही देखी जा रही थी। रविवार को हाथी ग्राम दोंद क्षेत्र की ओर पहुंचा, जिसके बाद वन विभाग की टीम, हाथी मित्र दल एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सतर्कता एवं समन्वय के साथ प्रयास करते हुए हाथी को आबादी वाले क्षेत्र से ट्रैक किया गया जिसके पश्चात वह जंगल की ओर चला गया। घटना के बाद हाथी खलिहानों के रास्ते पहाड़ी क्षेत्र की ओर बढ़ गया, जिसकी वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। हाथी की संभावित आवाजाही को देखते हुए वन विभाग द्वारा ग्राम मुड़पार, दोंद, सुरबाय, पांडादाह, गुढ़ागढ़, भिभौरी, बफरा, बार, हरदी सहित आसपास के सीमावर्ती गांवों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। वन विभाग एवं हाथी मित्र दल द्वारा ग्रामीणों को सतत निगरानी, मुनादी एवं अलर्ट सिस्टम के माध्यम से हाथी की गतिविधियों की जानकारी लगातार दी जा रही है। इस संबंध में वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने कहा कि वन विभाग एवं हाथी मित्र दल द्वारा हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मुनादी एवं अलर्ट सिस्टम के माध्यम से लगातार ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है।

सर्वमंगला पुल सड़क का डामरीकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य प्रारंभ

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कार्य हेतु भूमिपूजन

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने नारियल तोड़कर कराया कार्य का शुभारंभ

कोरबा। नगर निगम कोरबा क्षेत्र के सर्वमंगला पुल सड़क का बहुप्रतीक्षित डामरीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य रविवार को प्रारंभ किया गया है। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने डामरीकरण कार्य हेतु पूजा अर्चना की, वहीं उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने नारियल तोड़कर कार्य का शुभारंभ कराया तथा कार्य प्रारंभ कर पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुये कार्य को यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा जिला खनिज न्यास मद से 82 लाख रुपए की लागत से निगम क्षेत्रांतर्गत सर्वमंगला पुल सड़क एवं एप्रोच सड़क के डामरीकरण चौड़ीकरण व मजबूतीकरण का कार्य कराया जाना हैं, प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने उक्त कार्य का भूमिपूजन किया, उन्होने पूजा अर्चना की तथा उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने नारियल तोड़कर कार्य का शुभारंभ कराया।

उन्होंने तत्काल कार्य प्रारंभ कर पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुये यथाशीघ्र कार्य को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों व निर्माण एजेंसियों को दिये। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि ईरान-इजराईल युद्ध के कारण निर्मित हुई वैश्विक परिस्थितियों व इससे उत्पन्न डामर की कमी के कारण सड़कों के डामरीकरण के कार्य में अवरोध उपस्थित हो रहा है जबकि निगम क्षेत्र की सभी प्रमुख सड़कों के डामरीकरण व मजबूतीकरण का कार्य स्वीकृत हैं, निविदा आदि की प्रक्रिया कर ली गई है, किन्तु डामर की कमी के चलते कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहे हैं जबकि प्रशासनिक स्तर पर इस दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं, उन्होने कहा कि काफी प्रयासों के बाद संबंधित निर्माण एजेंसी से आग्रह कर सर्वमंगला पुल सड़क के डामरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है, इस कार्य के पूरा हो जाने के पश्चात इस मार्ग पर आवागमन अधिक सुविधाजनक हो जायेगा तथा उडने वाली धूल से राहत मिलेगी, उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा की अन्य सड़कों का डामरीकरण कार्य भी प्रारंभ हो, इस हेतु लगातार मेरे द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत व निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय द्वारा प्रशासनिक स्तर पर भी लगातार प्रयास जारी हैं।

इस अवसर पार्षद चन्द्रलोक सिंह, ईश्वर पटेल, रामाधर पटेल, माधव जायसवाल, पूर्व पार्षद दीपा राठौर, मण्डल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, कोरबा मण्डल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, रामशंकर साहू, हीरू जायसवाल, उत्तम जायसवाल, सुकेश दलाल, मनोज राठौर, अमित सिंह, वैभव शर्मा, जोन कमिश्नर सुनील टाण्डेय, सहयक अभियंता पीयूष सिंह राजपूत, उपअभियंता विनोद गोंड़, अंजय पाण्डेय, दीपक यादव, मनोज सिंह राजपूत, अनिल यादव आदि के साथ अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

जतरा कार्यक्रम में प्रसाद खाने के बाद 17 ग्रामीण फूड पॉइजनिंग से पीड़ित

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले के माकड़ी के ग्राम ताम्रावंड में रविवार की शाम जतरा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई और श्रद्धालुओं के बीच रविवार रात्री में प्रसाद एवं भोजन वितरित किया गया।

बताया जा रहा है कि प्रसाद और भोजन ग्रहण करने के बाद रविवार को गांव के लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। लोगों को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत होने लगी, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार 17 मरीजों को तत्काल माकड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जिनमें से 9 गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय कोण्डागांव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव के लिए रवाना हो गई है। स्वास्थ्य अमला प्रभावित ग्रामीणों की जांच और उपचार में जुटा है। प्रशासन मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार निगरानी कर रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मकड़ी डॉ. भौमिक ने सोमवार को बताया कि प्रसाद और भोजन ग्रहण करने के बाद गांव के करीब 17 ग्रामीणों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। डायरिया वोमिटिंग और डिहाइड्रेशन की समस्या के साथ मेरे पास आए थे। उनका उपचार किया गया, जिसमें से 9 लोगों की स्थिति ज्यादा गंभीर थी, उनको पहले प्राथमिक उपचार देते हुए उनका इलाज किया गया, यह थोड़ा ठीक होने पर तत्काल कोंडागांव रेफर किया गया और बाकी लोगों का उपचार जारी है।

फिर दबोचे गए गांजा तस्कर: सब्जी के कैरेट में छिपाकर ले जा रहे थे 65 लाख का माल

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद की देवभोग पुलिस को गांजा तस्करी के मामले में एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक गाड़ी से 130 किलो गांजा बरामद किया है, जिसे सब्जी के कैरेट में छुपाया गया था और ओड़िशा से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था। पकड़े गए गांजे की कीमत 65 लाख रुपए आंकी गई है। यह मामला देवभोग थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा की ओर से एक संदिग्ध वाहन भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर उत्तर प्रदेश की तरफ निकलने वाला है। सूचना के आधार पर देवभोग पुलिस ने खुटगांव चेकपोस्ट पर घेराबंदी कर वाहनों की कड़ाई से जांच शुरू की। इसी दौरान एक गाड़ी को रोका गया, जिसमें ऊपर से सब्जी के कैरेट लदे हुए थे। जब पुलिस ने बारीकी से तलाशी ली, तो सब्जी के कैरेटों के नीचे छिपाकर रखे गए गांजे के पैकेट बरामद हुए।

पुलिस ने मौके से ही तस्करी कर रहे आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जिसने अपना नाम राहुल पांडेय बताया और वो उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट (ह्ष्ठक्क्स) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि ओडिशा में यह माल किसने सप्लाई किया था और यूपी में इसे कहां खपाया जाना था। बता दें कि सप्ताहभर के भीतर पुलिस की यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले भी पुलिस ने ओडिशा सीमा पर मुस्तैदी दिखाते हुए मध्य प्रदेश (रूक्क) के तस्करों को दबोचा था, जिनसे 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का गांजा बरामद किया गया था।

फेसबुक वाले प्रेमी संग रची मौत की साजिश

पति को बिलासपुर बुलाकर उतारा मौत के घाट

बिलासपुर। बिलासपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। झारखंड की रहने वाली एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सिरगिट्टी रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। कई दिनों बाद जब झारखंड पुलिस महिला को लेकर बिलासपुर पहुंची, तब सड़ी-गली लाश बरामद हुई।

पुलिस के मुताबिक, झारखंड के सिमडेगा निवासी पूनम लोमगा की चार साल पहले फेसबुक के जरिए सुगड़ टोपनो से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। कुछ समय पहले पूनम अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ भाग गई थी, लेकिन 15 दिन बाद वापस घर लौट आई। घर लौटने के बाद उसने प्रेमी संग मिलकर पति विनोद लोमगा को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

योजना के तहत प्रेमी सुगड़ टोपनो अपने दोस्तों के साथ बिलासपुर पहुंचा और विनोद को फोन कर 10 हजार रुपए देने तथा पत्नी को छोड़ देने का झांसा दिया। विनोद पत्नी पूनम के साथ 19 मई को बिलासपुर के सिरगिट्टी पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सभी लोग रेलवे ट्रैक किनारे सुनसान इलाके में पहुंचे, जहां पहले विनोद के साथ मारपीट की गई। इसके बाद महिला के दुपट्टे से उसका गला दबाया गया और फिर चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। आरोपी शव को झाड़ियों और कीचड़ में फेंककर झारखंड फरार हो गए। जब विनोद घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मोबाइल लोकेशन और पूछताछ के आधार पर पुलिस को पूनम पर शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने पूरा राज उगल दिया। 24 मई को झारखंड पुलिस पूनम को लेकर बिलासपुर पहुंची और सिरगिट्टी पुलिस की मदद से रेलवे ट्रैक के पास झाड़ियों से विनोद का शव बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके प्रेमी और अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

भारत स्काउट्स व गाइड्स ने सह परिचर्चा कार्यशाला का किया आयोजन

मासिक धर्म के प्रति जागरूकता लाने के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्र के लोग जुटे

कोरबा। समाज के विभिन्न क्षेत्र और वर्ग के लोगों ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता लाने और मिथकों को तोड़ने का संकल्प लिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि पीरियड्स पर खुलकर बात की जाएगी और समाधान निकाला जाएगा।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स तथा यूनिसेफ द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन अंतर्गत तारुण्य वार्ता हैशटैग पीरियड्स पर खुलकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पंचवटी विश्राम गृह में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरबा द्वारा कार्यशाला सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी एवं भारतीय रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन रामसिंह अग्रवाल ने कहा कि मासिक धर्म कोई शर्म का विषय नहीं है। यह स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। इस पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने अभियान की सराहना की और रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से जरूरतमंद किशोरियों के लिए दो हजार सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का ऐलान किया। रेडक्रास सोसायटी के उपाध्यक्ष आरपी तिवारी ने स्कूलों में मासिक धर्म को लेकर विशेष कक्षाओं के आयोजन का सुझाव दिया। कोषाध्यक्ष राजेश बगड़िया ने भी अपनी बात रखी। प्राचार्य द्वय अनिता ओहरी, रिनी दुबे, अनिमा प्रसाद, संगीता साव ने स्कूलों में पीरियड्स के दौरान छात्राओं को आने वाली समस्याओं के बारे में बताया। इन्होंने कहा कि प्रयास हो कि स्कूलों में पर्याप्त मात्रा में पैड की उपलब्धता हो।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की जिला आयुक्त (गाइड) डा. फरहाना अली ने कहा कि दक्षिण भारत के राज्यों की तरह पीरियड्स को सेलिब्रेट्स किया जाना चाहिए। उन्होंने सेनेटरी पैड तैयार करने का अभियान चलाने की बात कही। ऑडियालॉजिस्ट डा. ज्योति बाला ने कहा कि पीरियड्स पर खुलकर बात करेंगे तो समाधान भी निकलेगा। निदान संस्था कि पूर्णिमा स्वर्णकार ने लड़कों को भी जागरूक करने की बात कही। स्रोत संस्था की लक्षन चन्द्रा ने बताया कि दुरस्त ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पीरियड्स के दौरान कपड़ा और राख का उपयोग किया जाता है। मड़ई से आए व्याख्याता ने कहा कि देहात इलाकों में झिझक बनी हुई है। इसे दूर करना होगा। उड़ान संस्था की ईश्वरी यादव, निलांजना सेन, नवप्रभा की कविता सोनी, स्रोत की साइकोलॉजिस्ट संगीता ने मासिक धर्म पर अपने अनुभव साझा किए। प्राचार्य एसआर अमित ने बताया कि उनके द्वारा स्कूल में लड़कों को पैड वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपस्थित युवा वैभव शर्मा, संस्कृति आदि ने भी परिचर्चा में भाग लिया। इसके पूर्व भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद सादिक शेख ने अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) डीगम्बर सिंह कौशिक एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) पुष्पा शांडिल्य ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन की तकनीकी जानकारी देते हुए कार्यक्रम का संयोजन किया। परिचर्चा का संचालन जिला चिकित्सालय की काउंसलर वीणा मिस्त्री ने किया। कार्यक्रम में जिला सचिव भरत सिंह वर्मा, जिला संयुक्त सचिव रेखारानी लाल, सहायक राज्य आयुक्त (गाइड) गनेशी सोनकर सहित अन्य की उपस्थिति रही। इस दौरान रोवर्स, रेंजर्स द्वारा मासिक धर्म के प्रति जागरूकता लाने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया।

सुशासन शिविर बना विकास का बड़ा मंच

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में सुकमा जिले में सुशासन तिहार के तहत प्रशासन लगातार गांव-गांव तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है। शुक्रवार को कोंटा विकासखंड के एराबोर में आयोजित क्लस्टर स्तरीय सुशासन शिविर में 10 पंचायतों एराबोर, गगनपल्ली, मराईगुड़ा, आरगट्टा, मेड़वाही, टेटराई, नागुलगुंडा, मनीकोंटा, दरभागुड़ा और मुलाकिसोली के ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। शिविर में शासन की योजनाओं के प्रति लोगों में उत्साह और विश्वास साफ नजर आया, वहीं प्रशासन ने पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ आमजन की समस्याओं का समाधान किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंगम्मा सोयम, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू, सोयम भीमा एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा 5 समूहों को कुल 13.50 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया। इसके साथ ही सूरज समूह एराबोर को 4 लाख रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र तथा पीएमईजीपी योजना के तहत 5 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण भी प्रदान किया गया। जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को ऋण और प्रमाण पत्र वितरित करते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों को नई मजबूती मिलेगी। शिविर के दौरान 5 लखपति दीदियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। प्रशासन द्वारा आयोजित इस सुशासन शिविर ने यह साबित किया कि शासन की योजनाएं अब केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुंच रहा है। सुशासन तिहार और बस्तर मुन्ने अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन जनसेवा, विकास और विश्वास की नई मिसाल कायम कर रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक : कैलाश नाथ द्वारा शिवम पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनरीज इण्डस्ट्रीज- 157प्रेस भवन,मधुबन विहार (झरनेश्वर सोसायटी) ,वार्ड-85, होशंगाबाद रोड, भोपाल म.प्र.462047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : सुशील कुमार त्रिपाठी , Mobile-91- 9893982060,
Email- mptmnp@gmail.com , website:tarunmitra.in , RNI : MPHIN/2021/79825 ; "इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

फार्मा पार्क से हजारों युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर: नन्दी

फार्मा पार्क परिसर में वृक्षारोपण कर औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन पर ध्यान देने के दिये निर्देश

ललितपुर, 25 मई (तरुणमित्र)। सोमवार को प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी एवं अपर मुख्य सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग उ0प्र0 आलोक कुमार जनपद मुख्यालय से लगभग 55 कि.मी. दूर सैदपुर ग्राम में निर्माणाधीन बल्क ड्रग फार्मा पार्क का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट मॉडल का अवलोकन करते हुए तेजी से निर्माण कार्य को पूर्ण करते हुए औद्योगिक भूखण्ड आवंटित करने के निर्देश दिये। औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने बुन्देलखण्ड को कंकरीला, पथरीला, कांटों भरा रास्ता समझकर छोड़ दिया था, प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में

डबल इंजन की सरकार में बुन्देलखण्ड में बुन्देलखण्ड इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीडा) बनाकर यहां के औद्योगिक विकास पंख लगाये हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार ने ललितपुर में फार्मा पार्क बनाकर देश-दुनिया की बड़ी-बड़ी कम्पनियों को यहां पर आकर अपना उद्योग लगाने के लिए आकर्षित किया है, जिससे यहां के युवा, नौजवान और किसान की समृद्धि और उनकी तरक्की के रास्ते खुलेंगे। फार्मा पार्क का निर्माण देखकर यहां के जनमानस खुश हैं और गर्व महसूस कर रहे हैं कि बुन्देलखण्ड में इतना विकास हो रहा है और निश्चित रुप से आने वाला समय बुन्देलखण्डवासियों के लिए बहुत अच्छा है। समीक्षा बैठक में मंत्री जी ने प्रगतिरत कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ललितपुर का यह फार्मा पार्क बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने जा रहा है।

यह न सिर्फ उत्तर प्रदेश को देश का फार्मा हब बनाएगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। सरकार निवेशकों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने फार्मा पार्क के विस्तार हेतु अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण के निर्देश भी दिये। फार्मा पार्क के प्रथम चरण में 05 औद्योगिक भूखण्डों का हुआ आवंटन, युवाओं के लिए सुनहरा भविष्य लेकर आयेगा फार्मा पार्क मंत्री और अपर मुख्य सचिव ने निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम प्रोजेक्ट मॉडल और साइट मैप का अवलोकन किया, जिसमें जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि बुन्देलखण्ड में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने और इसे औद्योगिक हब बनाने की दिशा में जनपद मुख्यालय से लगभग 55 किमी दूर ग्राम सैदपुर में 1472 एकड़ में देश का सबसे बड़ा बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित करने का काम जनपद में युद्धस्तर पर चल रहा है, जिसके परिणामस्वरुप इसके निर्माण कार्य के प्रथम चरण में ही इसमें निवेश के लिए औद्योगिक कम्पनियां रुचि लेने लगी है और इन औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिए अब तक 05 भूखण्ड आवंटित भी किये जा चुके हैं। जल्द ही यह फार्मा पार्क यहां के स्थानीय युवाओं के लिए एक सुनहरा भविष्य लेकर आयेगा।

कोटा चयन समिति के चुनाव में धांधली का आरोप

सुल्तानपुर घोष/फतेहपुर, 25 मई (तरुणमित्र)। ऐरायां विकास खण्ड के मोहम्मदपुर गौती ग्राम पंचायत में 23 मई को हुए कोटा चयन समिति के चुनाव का मामला अब और गहराता जा रहा है। नया पुरवा मजरे मोहम्मदपुर गौती गांव निवासी पप्पू सिंह पटेल पुत्र श्रीराम ने सोमवार को खागा उपजिलाधिकारी को लिखित शिकायती पत्र देकर हुए कोटा चयन समिति के चुनाव में धांधली व खुले आम पैसों से धनबल व गुंडई के बल बीते लोगों से वोट कराए जाने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि रामप्रसाद पुत्र रामसजीवन निवासी नया पुरवा मजरे मोहम्मदपुर गौती के मृत्यु के बाद से कोटा की सीट खाली पड़ी हुई थी। जिसके बाद खाली पड़ी हुई कोटा की सीट पर 23 मई 2026 को कोटा चयन समिति के अध्यक्ष के द्वारा चुनाव बैठक सम्पन्न कराया गया था। लेकिन कोटा के चुनाव में शिकायतकर्ता पप्पू सिंह पटेल भी बतौर उम्मीदवार थे। आरोप है कि कोटा चयन समिति के द्वारा मोहम्मदपुर गौती के हिस्ट्रीशीटर व प्रभावशाली लोगों के कहने पर जबरन प्रार्थी के पुत्र को चुनाव हरा दिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस पूरे मामले में पुलिस की भी सहभागिता थी। वहीं शिकायतकर्ता ने कोटा चयन समिति के निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोटा चयन समिति के द्वारा निष्पक्ष चुनाव नहीं कराया गया। वहीं शिकायतकर्ता ने खागा उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर 23 मई 2026 को हुए चुनाव को रद्द करकर दोबारा से चुनाव कराए जाने की मांग की।

बिना अनुमति के जुलूस निकालने पर मुकदमा दर्ज

हमीरपुर, 25 मई (तरुणमित्र)। कानपुर -सागर नेशनल हाईवे-34 पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं और बढ़ते मौत के आंकड़ों ने क्षेत्र की जनता को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया। स्थानीय नागरिकों ने राजनीति की सीमाएं छोड़कर एकजुटता के साथ सुरक्षा व्यवस्था,दुर्घटनाओं की रोकथाम और स्थायी समाधान की मांग उठाई है ।लेकिन आरोप है कि समाधान देने के बजाय सवाल पूछने वालों को मुकदमों के बोझ तले दबा दिया। शांत पूर्व प्रदर्शन कर रहे लोगों पर जिला प्रशासन ने 16 नामदर्ज और 35-40 लोग अज्ञात दर्ज किए गए हैं। जिसमें भा ज पा जिला उपाअध्यक्ष, भा ज पा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आकाश त्रिपाठी, दीपा तिवारी, जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद , बाल जी पाण्डेय, अशोक गुरु, शिवेंद्र सिंह,रणधीर सिंह, डॉ देव सिंह , युगांक मिश्रा ,स पा, हसन खान उर्फ गोलू, वंदना आशीष कुमार अमन धुरिया , दिनेश सिंह, उज्ज्वल पाठक,नीलम निषाद पूर्व अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी, रवींद्र भारतवंशी, नीशू गुप्ता, शिवेंद्र सिंह, बउवा ठाकुर, सहित 35-40 प्रदर्शनकारियो के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है जनता में चर्चाए तेज है कि जब सड़क पर बिखरे खून से व्यवस्था नहीं जागती, लेकिन विरोध की आवाज पर तुरंत कानूनी कार्यवाही होती दिखाई देती है, यदि ये अघोषित आपातकाल नहीं है तो चिंता केवल कानून-व्यवस्था की नहीं बल्कि संवाद की भी होती है। लोगों का कहना है कि यदि नागरिक अपनी सुरक्षा और जीवन से जुड़े मुद्दों पर भी जब खुलकर नहीं बोल पाएंगे, तो लोकतांत्रिक भागीदारी का अर्थ कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। लोगों द्वारा यह भी कहा जा रहा है कि अब शायद व्यवस्था का नया सिद्धांत यह बनता जा रहा है – ह्लहादसे होते रहें तो व्यवस्था सामान्य, लेकिन सवाल उठ जाएं तो व्यवस्था खतरे में।

लोगों की मांग है कि विरोध को अपराध नहीं, चेतावनी माना जाए और मुकदमों की जगह समाधान को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि आवाज दबाने से समस्या नहीं रुकती, केवल असंतोष बढ़ता है.......! यह बात जिले के अधिकारियों को जान लेने चाहिए ।मुकदमा समस्याओं का समाधान नहीं है। जिलाधिकारी को एक दिन जन समस्याओं पर लोगों से बात करनी पड़ेगी और चैंबर से बाहर निकल कर लोगो से ज्ञापन, मांग पत्र लेना होगा, । जनता से अधिकारियों को डरना नहीं चाहिए।

खेत में वृद्ध महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

फतेहपुर, 25 मई (तरुणमित्र)। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक खेत में वृद्ध महिला का शव पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। जिसके बाद सूचना मिलते ही थाना सुल्तानपुर घोष पुलिस और खागा क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे तथा उक्त मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, शव की पहचान गांव के प्रधान अजीत सिंह यादव की 75 से 80 वर्षीय मां के रूप में हुई। जांच में शव की हालत बेहद गंभीर पाई गई। पुलिस का कहना है कि है कि किसी ज्वलनशील पदार्थ या केमिकल को वृद्ध महिला के शरीर के ऊपरी हिस्से पर डालकर उसे क्षत-विक्षत करने का प्रयास किया गया है।

घर-घर पहुंच रही जनगणना टीम, जिलाधिकारी ने भी की नागरिकों से सहयोग की अपील

ललितपुर, 25 मई (तरुणमित्र)। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए नगर पालिका परिषद, ललितपुर द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर क्षेत्र के सभी 26 वार्डों को कुल 311 ब्लॉकों में विभाजित करते हुए प्रत्येक ब्लॉक में प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों की नियुक्ति की गई है, जो घर-घर जाकर जनगणना का कार्य कर रहे हैं। नगर पालिका परिषद के चार्ज अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी स्वयं भी फील्ड में पहुंचकर सुपरवाइजरों और प्रगणकों के साथ जनगणना कार्य का निरीक्षण कर रहे हैं तथा नागरिकों से अपील कर रहे हैं कि वे जनगणना कर्मियों को सही एवं पूर्ण

जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके।

इसी क्रम में चार्ज अधिकारी/अधिशासी अधिकारी एचएलबी-134 के सुपरवाइजर मनोज कुमार मिश्रा एवं प्रगणक प्रियंका सक्सेना के साथ ब्लॉक नंबर-134 में पहुंचे, जहां जिलाधिकारी आवास की गणना की गई। इस दौरान जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने जनगणना टीम का स्वागत करते हुए जनगणना के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है। यह केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं बल्कि भविष्य की योजनाओं, संसाधनों के वितरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी संचालन का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जब भी जनगणना प्रगणक उनके घर पहुंचे, तब उन्हें सही, स्पष्ट एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करें तथा इस राष्ट्रीय दायित्व में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र के समस्त 26 वार्डों में जनगणना कार्य को व्यवस्थित रूप से संचालित करने हेतु 311 ब्लॉक बनाए गए हैं। प्रत्येक ब्लॉक में एक प्रगणक नियुक्त किया गया है, जबकि कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण हेतु सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं।

भूमि कब्जों के विरोध में गरजा अतिक्रमण विरोधी मंच, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

महोबा, 25 मई (तरुणमित्र)। जनपद महोबा में बढ़ते भूमि अतिक्रमण और सरकारी व निजी जमीनों पर हो रहे अवैध कब्जों के विरोध में सोमवार को भूमि अतिक्रमण विरोधी मंच के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने तहसील परिसर पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद मंच के प्रतिनिधिमंडल ने शिवध्यान पांडे को ज्ञापन सौंपते हुए अवैध कब्जों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई। मंच के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जिले में कई स्थानों पर भूमाफिया सक्रिय हैं और सरकारी, सार्वजनिक तथा निजी जमीनों पर लगातार अवैध कब्जे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, जिससे आम लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि

राजस्व विभाग और प्रशासन संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाए, भूमाफियाओं की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा विवादित जमीनों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। मंच के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान मंच के सदस्यों ने कहा कि गरीब और आम नागरिकों की जमीनों पर कब्जे की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसे मामलों के लिए विशेष निगरानी टीम गठित की जाए और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

इस मौके पर विजय तिवारी, अंकित राजपूत, नीरज गुप्ता, आशीष सिंह, प्रभात तिवारी, अरविंद द्विवेदी, संतोष पाराशर, सौरभ तिवारी, शिवम सिंह, अनुज अवस्थी, रामेंद्र गुप्ता, दिलीप राठौड़ समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन बच्चे तालाब में नहाते समय डूबे,मौत

हमीरपुर, 25 मई (तरुणमित्र)। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए तालाब में स्नान कर रहे तीनों बच्चे गहरे पानी में जाने से डूब गए हैं। आज लगभग 10:30 बजे प्रात मौदहा थाना क्षेत्र के खंडेह गांव के एक तालाब में तीन युवक नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। डूबते बच्चों द्वारा चीखने चलाने की आवाज पर ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया ,लेकिन कब तक बहुत देर हो चुकी थीं। इस घटना से गांव में कोहराम मचा हुआ है । तीनों परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है । गांवों के लोगों ने तालाब में उतरकर तीनों मासूम बच्चों को बाहर निकाला है और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौदहा ले गए ,जहां डॉक्टरों ने तीनों बच्चों को मृतक घोषित कर दिया । इस घटना से गांव में कोहराम मचा हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही उप जिलाधिकारी मौदहा और क्षेत्राधिकारी पुलिस मौदहा मौके पर पहुंचे।

नीट छात्रा के आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी को लेकर सौंपा ज्ञापन

महोबा, 25 मई (तरुणमित्र)। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार धुरिया की अध्यक्षता में दुष्कर्म पीडिता नीट छात्रा के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के सम्बंध में जिलाधिकारी के द्वारा राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। गौरतलब है कि महोबा जनपद में दलित छात्रा, जो नीट की तैयारी कर रही थी का कोचिंग से लौटते समय अपहरण कर उसे 16 दिनों तक प्रयागराज में बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किये जाने, सिगरेट से जलाकर अमानवीय यातनाएं देने तथा जबरन शादी कराने की अत्यंत शर्मनाक एवं मानवता को झकझोर देने वाली घटना ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गम्भीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। इस

जघन्य घटना की जितनी निन्दा की जाए वह कम है। घटना की जानकारी मिलने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जनपद-महोबा पहुँच कर पीड़िता एवं उसके परिवारजनों से मुलाकात की। कांग्रेस पार्टी छात्रा को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

घटना में लिप्त सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर उनके विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही किए जाने, पीड़िता एवं उसके परिवार को सुरक्षा एवं समुचित आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग कांग्रेस कमेटी करती है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष संतोष कुमार धुरिया, जिला प्रवक्ता कुंवर राकेश सिंह, बृजराज सिंह ,जिला महासचिव अरविंद द्विवेदी , कोषाध्यक्ष देशराज रैकवार ,कार्यालय सचिव अजय कोली उपस्थित रहे।

नौतपा शुरू, नौं दिनों तक और झुलसायेंगे सूर्यदेव

बांदा, 25 मई (तरुणमित्र)। सूर्यदेव इस वक्त आग उगल रहे हैं, नौतपा और भी झुलसाने वाला माना जाता है। नौतपा की शुरूआत 25 मई सोमवार से हो रही है। माना जा रहा है कि 9 दिनों में तापमान और बढ़ेगा और लोगों को आंधी पानी भी झेलना पड़ सकता है। नौतपा के 9 दिनों में सबसे भीषण गर्मी पड़ती है। इस बार सूर्य को गुरु का साथ मिलने से नौतपा और भी झुलसाने वाला होगा। नौतपा 25 मई से शुरू होगा और 2 जून को समाप्?त होगा। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने पर नौतपा शुरू होता है। सूर्य कल तक वृष राशि में गोचर कर रहे थे और यहां इनको गुरु का भी साथ मिल रहा था। गुरु और सूर्य का यह संयोग गर्मी के मौसम में तपिश को और बढ़ाएगा।

कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञ डॉ दिनेश साह बताते हैं कि इन दिनों ज्यादा गर्मी मानसून को प्रभावित करती है। अधिक गर्मी के कारण खिंचाव उत्पन्न होता है जो हिंद महासागर में बने मौसमी गतिविधियों को उत्तर भारत की ओर खींचता है परिणाम स्वरूप अच्छी वारिस के आसार बनते हैं। बुंदेलखंड क्षेत्र में ऐसी मान्यता है कि यदि इन दिनों वर्षा हो गई तो आगामी मानसून में वर्षा की मात्रा और वितरण दोनों प्रभावित हो जाएगा। यानि अच्छे मानसून की संभावना कम हो जाएगी। बुन्देलखण्ड के अधिकतर हिस्सों में दिन का तापमान 46 डिग्री से ज्यादा जा चुका है। जिसके कारण दिन में तेज धूप के साथ-साथ लू भी चल रही है। यह लू इंसान के साथ-साथ पशुओं के लिए भी काफी नुकसान देय है। ऐसे में पशुओं को लू लगने व उनके बीमार होने की संभावना बनी रहती है और कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती है जैसे पशुओं को आहार लेने में अरूचि, तेज बुखार, हाफना, नाक से स्त्राव बहऩा, ऑखों से ऑसू गिरना, आखों का लाल होना, पतला दस्त होना, शरीर में पानी की कमी होने से लड़खड़ाकर गिरना, आदि ये सभी लू लगने के प्रमुख लक्षण है। गर्म मौसम में पशुओं की आहार ग्रहण करने की क्षमता भी कम हो जाती है।

साइबर ठगी के शिकार के खाते में वापस कराये साढ़े पांच लाख

बांदा, 25 मई (तरुणमित्र)। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के कुशल निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी साइबर अपराध मेविस टाक के नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस थाना बांदा टीम द्वारा साइबर ठगी/फ्रॉड के शिकार हुए पीड़ित के खाते में कुल 05 लाख 60 हजार 822 रुपये वापस कराये गये । गौरतलब हो कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत मढ़ियानाका के रहने वाले मुकेश कुमार पुत्र बृजलाल के साथ साइबर ठगों द्वारा व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से व्यापार में लाभ का झांसा देकर साइबर ठगी की गई थी । जिसके संबंध में पीडित द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी गई थी ।

दलित छात्रा के साथ हुई घटना के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

बांदा, 25 मई (तरुणमित्र)। जिला कांग्रेस कमेटी ने महोबा में दलित छात्रा के साथ हुई घटना के विरोध में जिलाध्यक्ष की अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा है।

जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने मीडिया से रूबरू होते हुए बतलाया कि ज्ञापन द्वारा श्रीमति आनंदी बेन पटेल राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को सादर अवगत कराया गया है कि महोबा जनपद की दलित छात्रा जो वर्तमान समय में नीट की तैयारी कर रही थी, कोचिंग से घर वापस लौटते समय अपहरण कर प्रयागराज में 16 दिनों तक बंधक बनाकर तरह तरह की यातनाएं देने के साथ साथ

सामूहिक दुष्कर्म किया गया, वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में काबिज भाजपा सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ द्वारा इस बात का प्रचार प्रसार जोर शोर से किया जाता है की बेटियों के साथ किसी भी प्रकार का अत्याचार अगर किया जाता है तो कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान है लेकिन इस तरह की घटना दलित बेटी के साथ हुई हैं लेकिन आज तक इस दिशा में शासन और प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की ठोस एवं समुचित कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई, जिससे प्रदेश की बेटियां अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं हमारा आप से विनम्र अनुरोध है कि महोबा की दलित बेटी के साथ किए गए जुल्म और दुष्कर्म / दुर्व्यवहार की घटना में शामिल समस्त अपराधियों को गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में मुकदमा लिखकर जेल भेजा जाए जिससे दलित पीड़ित बेटी को न्याय मिल सके। कांग्रेस पार्टी आप से ज्ञापन के माध्यम से यह भी मांग करती हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित किया जाए कि प्रदेश में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बकरीद पर्व को लेकर जिला शान्ति कमेटी की बैठक सम्पन्न

डीएम व एसपी ने दिए सख्त निर्देश

कन्नौज, 25 मई (तरुणमित्र)। कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में आगामी पर्व ईद-उल-अजहा (बकरीद) को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला शांति समिति (पीस कमेटी) की बैठक जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सहित प्रशासनिक एवं धर्मगुरुओं तथा गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद कन्नौज सदैव से शांतिप्रिय एवं सामाजिक सौहार्द की मिसाल रहा

है, जहां सभी धर्मों के पर्व आपसी भाईचारे एवं परंपरागत ढंग से मनाए जाते हैं। उन्होंने आगामी पर्व को भी शालीनता, अनुशासन एवं पारस्परिक सम्मान के साथ मनाया जाए तथा किसी भी नई परंपरा की शुरूआत न की जाए। जिलाधिकारी ने कहा है कि खुले स्थानों, सार्वजनिक मार्गों एवं सड़कों पर नमाज अदा न की जाए। पर्व के दौरान पेयजल, विद्युत, साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को पूर्व से ही दुरुस्त एवं व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित कर ली जाएं ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी तथा कुबार्नी सार्वजनिक अथवा खुले स्थानों पर न की जाए। कुबार्नी से निकलने वाले अवशेषों का सुरक्षित निस्तारण किया जाए तथा उन्हें खुले में न फेंका जाए। नालियों अथवा सार्वजनिक स्थलों पर अवशेष फेंकने की अनुमति नहीं होगी। अवशेषों को गड्ढा खोदकर निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित रूप से दफन किया जाए। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि जनपद के सभी 195 विद्युत फीडरों पर कार्यरत 422 लाइनमैनों की ड्यूटी संतुलित रूप से लगाई जाए, जिससे किसी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। जहां पेयजल की समस्या हो, वहां टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मार्गों, नालों एवं नालियों की विशेष साफ-सफाई कराने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कुबार्नी के दौरान वीडियो अथवा रील बनाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहेंगे तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने आमजन से अपील की, कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अफवाह की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दें।

जिलाधिकारी ने किया नगर पंचायत मानिकपुर का औचक निरीक्षण

सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर जताई कड़ी नाराजगी

चित्रकूट, 25 मई (तरुणमित्र)। जिलाधिकारी पुरकित गर्ग द्वारा नगर पंचायत मानिकपुर के तिगलिया चौराहा से लेकर बस स्टैंड तक का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर की अत्यंत लचर साफ-सफाई व्यवस्था और प्रशासनिक शिथिलता पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। प्रातःकालीन निरीक्षण के दौरान कोई भी सफाई कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं पाया गया और पूरे कस्बे में गंदगी का अंबार देखने को मिला। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मानिकपुर को निर्देशित किया कि प्रतिदिन सुबह 06:00 बजे सभी सफाई कर्मचारियों की सामूहिक उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए तथा उनकी उपस्थिति की फोटो विभागीय

ग्रुप पर अनिवार्य रूप से साझा की जाए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत मानिकपुर को निर्देश दिये की सभी सफाई कर्मचारी अपने यूनिफार्म में रहेंगे यह सुनिश्चित कराएं। नगर क्षेत्र में फुटपाथ पर काफी अतिक्रमण पाया गया जिलाधिकारी ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि फुटपाथ केवल आमजन के आवागमन के लिए हैं। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किए कि फुटपाथ पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने दिया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों की सामग्री जब्त कर उनके विरुद्ध तत्काल नियमानुसार जुमार्ने आदि की कार्रवाई की जाए। मानिकपुर के वार्ड संख्या 10 (आर्य नगर मोड़) पर संचालित एक जलेबी की दुकान को मुख्य मार्ग से हटाकर पास की गली में व्यवस्थित रूप से स्थापित कराने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात बाधित न हो।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किए कि रोड पर कोई भी बस नहीं खड़ी रहनी चाहिए यह सुनिश्चित कराएं अगर बस संचालक नहीं मानते तो सीज कराएं।

रीवा हादसे के विरोध में करेली में निकला विशाल मौन जुलूस, संत सुरक्षा कानून की उठी मांग

करेली। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सड़क हादसे में दो जैन आर्यिकाओं के निधन से जैन समाज में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है। इसी के विरोध में सोमवार को नरसिंहपुर जिले के करेली में सकल जैन समाज द्वारा विशाल मौन जुलूस निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठाई गई।समाजजनों ने 20 मई को रीवा में हुई घटना को अत्यंत पीड़ादायक और निंदनीय बताते हुए इसे साधु-संतों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताया। साथ ही देशभर में विहार करने वाले संतों और साध्वियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष संत सुरक्षा कानून लागू करने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई गई।

मौन जुलूस दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकला और पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। पुरुष सफेद वस्त्रों में जबकि महिलाएं पीले और केसरिया परिधानों में अनुशासन और श्रद्धा के साथ शामिल रहीं। श्रद्धालु हाथों में पूज्य आचार्य विद्यासागर महाराज एवं वर्तमान आचार्य समय सागर महाराज के चित्र लेकर मौन धारण किए हुए चल रहे थे। पूरे नगर में शोक और श्रद्धा का माहौल दिखाई दिया। समाजजनों ने कहा कि अहिंसा, संयम और तपस्या का जीवन जीने वाले साधु-संतों पर इस तरह की घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं।समाज की नगर गौरव ब्रह्मचारिणी नूरी दीदी ने कहा कि जैन समाज इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं बल्कि गंभीर कृत्य के रूप में देख रहा है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाना चाहिए और उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुकेश जैन ने शासन-प्रशासन से मांग की कि देशभर में पदयात्रा और विहार करने वाले संतों की सुरक्षा के लिए प्रभावी और सख्त कानून बनाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।मौन जुलूस के दौरान नगरवासियों ने भी श्रद्धा के साथ समाजजनों का स्वागत किया और दिवंगत आर्यिकाओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में एक स्वर में संत सुरक्षा कानून लागू करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई गई।

गंगा दशमी पर जिले की अनूठी पहल, साइकिल पदयात्रा से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में गंगा दशमी के पावन अवसर पर सोमवार को जिला प्रशासन ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ जल स्रोतों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अनूठी पहल की। जिले में साइकिल रैली, पदयात्रा और ई-वाहनों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने साइकिल चलाकर ईंधन बचत और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।विधायक यादव और सीईओ डॉ. गढ़पाले ने स्वयं साइकिल चलाकर रैली का नेतृत्व किया।

इलेक्ट्रिक वाहनों से शामिल प्रतिभागियों ने जीवाश्म ईंधन के कम उपयोग और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरित ऊर्जा व पर्यावरण संरक्षण संदेश को आगे बढ़ाया गया। पारायण चैक से शुरू हुई पदयात्रा नेवज नदी तट पर पहुंचकर श्रमदान के साथ संपन्न हुई। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और पत्रकारों ने मिलकर नदी तट की सफाई कर कचरा निष्पादन किया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता, जल संरक्षण और सामूहिक जनभागीदारी का संदेश दिया गया। अंत में सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में विधायक अमरसिंह यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा मोना सुस्तानी, अपर कलेक्टर प्रतापसिंह चैहान,एएसपी केएल. बंजारे, एसडीएम निधि भारद्वाज,डिप्टी कलेक्टर डॉ. ज्योति राजोरे सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन की यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरक उदाहरण बनी।

संत सुरक्षा व आर्थिका माताजी प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर जैन समाज ने निकाली मौन रैली

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सारंगपुर में सोमवार को सकल जैन समाज ने संत सुरक्षा और आर्थिका माताजी के निधन से जुड़े प्रकरण की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर शांतिपूर्ण मौन रैली निकाली। बड़ी संख्या में समाजजन श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पर एकत्र हुए और शांतिपूर्वक रैली निकालते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां राष्ट्रपति एवं शासन के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में समाज ने विहाररत पूज्य आर्थिका माताजी के साथ हुई हालिया घटना पर गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि यह मामला सामान्य सड़क दुर्घटना मात्र प्रतीत नहीं होता। उपलब्ध वीडियो क्लिप, परिस्थितियों और तथ्यों के आधार पर समाज में गंभीर आशंका और चिंता का वातावरण बन गया है। समाज जन ने कहा कि जैन संत पूर्णतः अहिंसक, निहत्थे और पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो किसी भी प्रकार की सुरक्षा या भौतिक सुविधाओं का उपयोग नहीं करते। ऐसे संतों के साथ लगातार हो रही दुर्घटनाएं और हमले अत्यंत चिंताजनक हैं।

समाज ने ज्ञापन के माध्यम से इस प्रकरण की सीबीआई अथवा न्यायिक जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई तथा संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की मांग उठाई। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग बढ़ाने, प्रशासनिक समन्वय सुधारने और पैदल विहार करने वाले संतों के लिए राष्ट्रीय गाइडलाइन बनाने की भी आवश्यकता बताई। ज्ञापन सौंपने के दौरान सकल जैन समाज के अध्यक्ष नरेन्द्र जैन, पूर्व अध्यक्ष निर्मल जैन, मनोज जैन, प्रदीप बरडिया, अरविंद चैधरी, अनिल जैन, दीपक जैन, विवेक जैन, नीरा, स्वेता, अर्पिता सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

रीवा की घटना को लेकर करेरा में जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन, संतों की सुरक्षा की उठी मांग

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में जैन आर्यिका माताओं की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद देशभर में जैन संतों की सुरक्षा को लेकर आवाज तेज हो गई है। इसी क्रम में सोमवार को शिवपुरी जिले की करेरा तहसील में सकल जैन समाज, विभिन्न जैन संगठनों एवं राष्ट्रभक्त सवर्ण समाज संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा रीवा प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

समाजजनों ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) एवं थाना करेरा के नगर निरीक्षक विनोद छावई को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि रीवा जिले में राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के संघ से जुड़ी आर्यिका श्री 105 श्रुतमती माताजी एवं आर्यिका श्री 105 उपशममती माताजी का असामयिक निधन अत्यंत दुखद और समाज को आहत करने वाला है। इस घटना ने जैन समाज के साथ-साथ अहिंसा और आध्यात्मिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले लोगों को भी गहरी पीड़ा पहुंचाई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि जैन संत-साध्वी तप, त्याग, संयम और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए पैदल विहार करते हैं। वे किसी प्रकार की भौतिक सुविधा या सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते, बल्कि समाज को शांति, करुणा और सद्भाव का संदेश देते हैं। ऐसे संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

समाज ने मांग की कि रीवा घटना की उच्चस्तरीय, पारदर्शी एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर लापरवाही या दोष सिद्ध हो तो संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकारें देशभर में विहाररत जैन साधु-संतों के लिए विशेष सुरक्षा नीति लागू करें, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यह केवल जैन समाज का विषय नहीं, बल्कि भारत की संत परंपरा, आध्यात्मिक विरासत और अहिंसा के मूल्यों की रक्षा का प्रश्न है। देशभर में जिला मुख्यालयों, तहसीलों एवं नगरों में ज्ञापन देकर शासन-प्रशासन का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित किया जा रहा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज के वरिष्ठजन, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, महिला मंडल, युवा संगठन तथा बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। जैन समाज ने शासन से शीघ्र प्रभावी कदम उठाने और संतों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई है।

सीहोर में मैदा मिल में भड़की भीषण आग, ऑटो और कृषि यंत्र जलकर खाक

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के ग्राम पिपलिया मीरा में रविवार देर रात एक मैदा मिल में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और मिल परिसर में रखा सामान उसकी चपेट में आ गया। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि मिल के पास खड़ा एक ऑटो पूरी तरह जलकर राख हो गया। वहीं परिसर में रखे कई महंगे कृषि यंत्र भी आग की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। आग के दौरान पूरे क्षेत्र में धुआं और लपटें दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। दमकल और ग्रामीणों की मदद से आग पर पाया गया काबूघटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से आसपास के क्षेत्र में बड़ा नुकसान होने से बच गया।

फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस और प्रशासनिक टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर दो हिस्सों में मिला युवती का शव, पहचान में जुटी पुलिस

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट में सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक युवती का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवती का शव दो हिस्सों में बंटा हुआ मिला, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। घटना भटेरा और बैहर रोड रेलवे ट्रैक के बीच की बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, रेलवे ट्रैक संख्या 1044 पर खंभा नंबर 19 और 20 के बीच युवती का शव पड़ा मिला। हादसे की सूचना मिलने के बाद भी पुलिस करीब एक घंटे देरी से मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्हें घटना की जानकारी देर से प्राप्त हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती के शरीर का निचला हिस्सा रेलवे ट्रैक के बीच पड़ा था, जबकि सिर और धड़ का ऊपरी हिस्सा पटरी के किनारे मिला। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि सुबह करीब 6:30 बजे कटंगी से गोंदिया के बीच चलने वाली कटंगी-गोंदिया ट्रेन की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि ट्रेन चालक ने घटना की सूचना रेलवे पुलिस को दी थी। सुबह ट्रैक के पास पहुंचे ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई।

फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मध्य प्रदेश पुलिस की कोतवाली थाना टीम युवती की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है। आसपास के थानों से संपर्क किया जा रहा है और स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

रीवा हादसे पर जैन समाज में रोष, सागर में निकला विशाल मौन जुलूस

सागर। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सड़क हादसे में दो जैन आर्यिकाओं के निधन से जैन समाज में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में सोमवार को सागर में सकल दिगंबर जैन समाज के नेतृत्व में विशाल मौन जुलूस निकाला गया। समाज ने संत-साध्वियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन से ठोस और प्रभावी व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई।सोमवार सुबह कटरा नमक मंडी स्थित ऐतिहासिक गौराबाई दिगंबर जैन मंदिर परिसर में समाज के सैकड़ों लोग एकत्रित हुए।

यहां से पुरुष, महिलाएं और युवा हाथों में तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण मौन जुलूस के रूप में निकले। बिना नारेबाजी के निकाले गए इस जुलूस ने जैन धर्म के अहिंसा और संयम के संदेश को जीवंत किया।मौन जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ कोतवाली थाना पहुंचा, जहां समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के नाम थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जैन संतों और साध्वियों के विहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की गई। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि जैन साधु-संत और आर्यिकाएं आजीवन पैदल विहार करते हैं। ऐसे में उनके सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी प्रशासन की है। रीवा जैसी दर्दनाक घटनाएं तेज रफ्तार और लापरवाह वाहन चालकों की वजह से सामने आती हैं, इसलिए दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होना जरूरी है।ज्ञापन में यह भी मांग रखी गई कि जैन संतों के विहार के दौरान नेशनल हाईवे और मुख्य मार्गों पर पुलिस पेट्रोलिंग तथा विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।जैन समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि संत और आर्यिकाएं त्याग, तपस्या और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए समाज और मानवता के कल्याण का संदेश देते हैं। उनकी सुरक्षा को लेकर यदि जल्द ठोस नीति नहीं बनाई गई तो समाज को आगे व्यापक आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

इस मौन जुलूस में दिगंबर जैन पंचायत, महिला मंडल, युवा विंग सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए और दिवंगत आर्यिकाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एकजुटता का परिचय दिया।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को सामने से मारी टक्कर, एक की मौत

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर शहर ब्यावरा थाना क्षेत्र में गुना नाका के समीप सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार दो लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची डायल-112 की टीम ने दोनों को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां 52 वर्षीय व्यक्ति को डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना गुना नाका स्थित होटल के सामने हुई, जब ग्राम अरन्या की ओर से ब्यावरा जा रहे बाइक सवारों की सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर से भिड़ंत हो गई। टक्कर में बाइक चला रहे रामगोपाल (52) पिता कन्हैयालाल राठौर, निवासी खुजनेर, और पीछे बैठे भगवत (38) पिता मांगीलाल सेन गंभीर रूप से घायल हो गए। डायल-112 पर तैनात एएसआई राकेश शर्मा व स्टाफ ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां परीक्षण के बाद रामगोपाल को मृत घोषित कर दिया गया। बताया गया कि रामगोपाल गल्ला व्यापारी थे और कृषि उपज मंडी ब्यावरा में माल के सिलसिले में आए थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया साथ ही ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच की।

कुएं में मिले मां-बेटे के शव, पुलिस जांच में जुटी

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र स्थित इटार पहाड़ गांव में सोमवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई। गांव के एक कुएं में मां और उसके पांच वर्षीय मासूम बेटे के शव मिलने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतकों की पहचान 31 वर्षीय मीना कुशवाहा और उनके पांच वर्षीय पुत्र सौरभ कुशवाहा के रूप में हुई है। दोनों इटार पहाड़ गांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि गांव का एक युवक कुएं की ओर गया था। इसी दौरान उसकी नजर पानी में तैर रहे दो शवों पर पड़ी। यह दृश्य देखकर वह घबरा गया और शोर मचाते हुए ग्रामीणों को सूचना दी। चीख-पुकार सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल गुढ़ थाना पुलिस को सूचना दी गई। खबर मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद मां-बेटे के शव कुएं से बाहर निकाले गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतका का पति दुर्गेश कुशवाहा रोजी-रोटी के सिलसिले में बाहर रहता है। घटना के समय वह गांव में मौजूद नहीं था। महिला अपने बच्चों के साथ घर पर रह रही थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने परिजनों को अवगत कराया। सोमवार को पुलिस ने रीवा के संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय पुलिस चौकी में दोनों शवों का पंचनामा तैयार कराया। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिए गए।

डायल-112 ने घर की राह भटकी सात वर्षीय बालिका को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

भोपाल । मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता एवं तत्पर कार्यवाही से घर का रास्ता भटक गई 07 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई सहायता से बालिका सकुशल अपने परिवार से मिल सकी। पुलिस मुख्यालय से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, बीते 24 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत चिंताहरण मंदिर, आरोन रोड के पास एक छोटी बालिका अकेली मिली है, जो घर का रास्ता भटक गई है। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल कोतवाली थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया।डायल-112 स्टाफ आरक्षक रामभरोसेभार्गव एवं पायलट धर्मेंद्र शर्मा ने मौके पर पहुंचकर बालिका को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। डायल-112 जवानों ने बालिका से स्नेहपूर्वक बातचीत कर जानकारी प्राप्त की। पूछताछ करने पर बालिका ने अपने गाँव एवं पिता का नाम बताया।

रीवा-सीधी रेल परियोजना: आखिर कब पूरा होगा विंध्य की जनता का इंतजार

रीवा। मध्य प्रदेश की बहुप्रतीक्षित रीवा-सीधी रेल परियोजना को लेकर विंध्य क्षेत्र की जनता में अब निराशा और नाराजगी बढ़ने लगी है। वर्षों से विकास की उम्मीद मानी जा रही यह परियोजना लगातार देरी, धीमी निर्माण गति और अव्यवस्थाओं के कारण सवालों के घेरे में आ गई है। मार्च माह में ट्रेन के चुरहट तक पहुंचने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अप्रैल तक रामपुर-चुरहट खंड और अगस्त तक चुरहट-सीधी खंड का सीआरएस पूरा कर पैसेंजर ट्रेन संचालन शुरू हो जाएगा। लेकिन अब मिल रही जानकारियों के अनुसार सीधी तक रेल सेवा शुरू होने में अभी और लंबा समय लग सकता है।बताया जा रहा है कि चुरहट से सीधी के बीच बनने वाले पुलों और टनलों का निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। वहीं रामपुर-चुरहट खंड में भी निर्माण कार्य तय समयसीमा से पीछे बताया जा रहा है। ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया में भी अपेक्षित तेजी नहीं दिखाई दे रही, जिससे परियोजना की समयसीमा लगातार आगे खिसकती जा रही है।परियोजना को लेकर क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि निर्माण कार्यों को कथित तौर पर ऐसी एजेंसियों को सौंपा गया, जिनकी कार्यक्षमता पर पहले से सवाल उठते रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि अनुभवी और सक्षम एजेंसियों को जिम्मेदारी दी जाती तो परियोजना अब तक काफी आगे बढ़ चुकी होती। निर्माण गुणवत्ता और कार्य की रफ्तार दोनों को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सीधी जिले तक रेल सेवा शुरू न होने से व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे क्षेत्रों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लोगों के अनुसार यह परियोजना केवल रेल संपर्क का माध्यम नहीं, बल्कि पूरे विंध्य क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की आधारशिला है।

स्थानीय युवाओं और व्यापारियों में इस बात को लेकर विशेष नाराजगी है कि वर्षों से केवल घोषणाएं और आश्वासन मिल रहे हैं, लेकिन जमीन पर अपेक्षित प्रगति दिखाई नहीं दे रही। लगातार हो रही देरी के चलते अब जनआक्रोश भी बढ़ने लगा है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र के लोग जल्द ही जनप्रतिनिधियों और सांसद को ज्ञापन सौंपकर परियोजना में तेजी लाने की मांग करेंगे, हालांकि क्षेत्रीय सांसद ने लोगों को आश्वासन दिया है कि मामले से रेल मंत्री को अवगत कराया जाएगा और निर्माण कार्य में तेजी लाने का प्रयास किया जाएगा।

रीवा-सीधी रेल परियोजना विंध्य क्षेत्र की सबसे बड़ी विकास योजनाओं में मानी जाती है। ऐसे में अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर वह दिन कब आएगा, जब सीधी तक रेलगाड़ी पहुंचेगी और क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

राजगढ़ में नकली धनिया बनाने का भंडाफोड़, डंठल-चूरा और केमिकल से तैयार हो रहा था मसाला

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में खाद्य विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नकली धनिया बनाने के बड़े गोरखधंधे का खुलासा हुआ है। गुना नाका क्षेत्र स्थित एक किराए की दुकान में धनिया के डंठल, चूरा और केमिकल रंग मिलाकर नकली धनिया तैयार किया जा रहा था, जिसे असली बताकर बाजार में बेचा जाता था।शहर थाना प्रभारी शिवराजसिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कमला लॉज के पीछे स्थित दुकान पर दबिश दी गई। मौके से नानकराम वर्मा और गोपाल वर्मा को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने मिलावटी धनिया तैयार करने की बात स्वीकार की। कार्रवाई के दौरान टीम को 52 बोरी धनिया डंठल, 93 बोरी पिसा हुआ चूरा, तैयार मिलावटी धनिये के पैकेट, केमिकल रंग, ग्राइंडर मशीन और तौल कांटा मिला। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। खाद्य विभाग ने मौके से सैंपल लेकर दुकान को सील कर दिया। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 274 और 275 सहित खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 56 और 59 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपित चार रुपये प्रति किलो की दर से मिलावटी धनिया तैयार करते थे और तैयार माल एक-दो दिन में ग्राहकों को सौंप दिया जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि पूरे नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड गिंदौरहाट निवासी हजारीलाल साहू है, जो डंठल और चूरा खरीदकर ब्यावरा में पिसवाता था।

कुएं में गिरी छोटी बहन को बचाने कूदा भाई, गहरे पानी में डूबने से दोनों की मौत

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुश नगर थाना क्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां के ग्राम बागवान में सोमवार सुबह खेत पर बने एक कुएं में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई। बहन का पैर फिसलने के बाद उसे डूबता देख भाई ने बिना सोचे-समझे कुएं में छलांग लगा दी थी, लेकिन गहरा पानी होने के कारण दोनों में से कोई भी बाहर नहीं आ सका। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ग्राम बागवान में रहने वाली 13 वर्षीय मुस्कान राजपूत घर के पास ही स्थित खेत पर बने एक कुएं पर नहाने गई थी। कुएं के चारों तरफ सुरक्षा के लिए कोई मुंडेर (बाउंड्रीवॉल) नहीं बनी हुई थी।

नहाने के दौरान अचानक मुस्कान का पैर फिसल गया और वह सीधे गहरे पानी में जा गिरी। मुस्कान को कुएं के भीतर डूबते देख पास ही खड़ा उसका 15 वर्षीय सगा भाई सत्यजीत राजपूत अपनी जान की परवाह किए बिना तुरंत कुएं में कूद गया। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों ने बताया कि सत्यजीत ने पानी के भीतर अपनी छोटी बहन को पकड़ने और उसे सुरक्षित बाहर निकालने की बेहद कोशिश की। लेकिन कुएं में पानी का स्तर बहुत अधिक होने और गहराई ज्यादा होने के कारण सत्यजीत खुद को संभाल नहीं पाया। कुछ ही पलों में दोनों भाई-बहन गहरे पानी में समा गए। इस हादसे की खबर परिवार को तब लगी जब दोनों का बड़ा भाई निरंजन राजपूत किसी काम से कुएं के पास पहुंचा। उसने यहां पानी में भाई-बहन के शव उतराते देखे और तुरंत चीख-पुकार मचाकर आसपास के ग्रामीणों और परिजनों को आवाज दी। शोर सुनकर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए कुएं में उतरकर दोनों बच्चों को बाहर निकाला और तुरंत लवकुश नगर अस्पताल लेकर भागे। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों मासूमों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। लवकुश नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तैयार भारतीय महिला हॉकी टीम, पहला मुकाबला 26 मई को

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की बहुप्रतीक्षित मैत्री श्रृंखला खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह दौरा आगामी एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्रृंखला का पहला मुकाबला 26 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस साल की शुरूआत में अर्जेंटीना दौरे पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। दुनिया की दूसरे नंबर की टीम अर्जेंटीना के खिलाफ भारत ने चार मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। शुरूआती दो मुकाबले हारने के बाद भारतीय टीम ने दमदार वापसी कर अपनी क्षमता का परिचय दिया था। मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजने की देखरेख में भारतीय टीम ने हाल के हफ्तों में साई बेंगलुरु में आयोजित

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में कड़ी तैयारी की। खिलाड़ियों ने सामरिक अभ्यास, पेनल्टी कॉर्नर संयोजन, फिटनेस और संरचनात्मक खेल पर विशेष ध्यान दिया।

टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने दौरे को लेकर हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'पूरी टीम इस दौरे को लेकर बेहद उत्साहित है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और यही चुनौती हमें इस समय चाहिए। पर्थ में होने वाला हर मुकाबला हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'हम ऑकलैंड में होने वाले नेशंस कप में आत्मविश्वास और सकारात्मक लय के साथ उतरना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया हमें हमारी सीमाओं तक चुनौती देगा और हम इस अवसर का उपयोग खुद को और मजबूत टीम बनाने के लिए करना चाहते हैं।' 22 सदस्यीय भारतीय टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिल रहा है। सोनम, हीना बानो और लालथांतलुआंगी जैसी युवा खिलाड़ी भी अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। एफआईएच विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर मौजूद भारतीय टीम आठवें स्थान की ऑस्ट्रेलियाई टीम को कड़ी चुनौती देने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला मुकाबला 26 मई को भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे खेला जाएगा।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार)

पहला मैच – 26 मई, शाम 5:00 बजे

दूसरा मैच – 27 मई, शाम 5:00 बजे

तीसरा मैच – 29 मई, सुबह 11:00 बजे

चौथा मैच – 30 मई, सुबह 11:00 बजे

भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपर

सविता, बिचु देवी खारीबाम

डिफेंडर

निकी प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथांतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास

मिडफील्डर

सलीमा टेटे, लालरेमसियामी, नेहा, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग, सोनम

फॉरवर्ड

नवनीत कौर, बलजीत कौर, दीपिका, अन्नू, इशिका, हीना बानो, ऋतुजा दादासो पिसाल।

डीपीवीएल चरण-1 ट्रायल्स में दिल्ली के युवा वॉलीबॉल खिलाड़ियों का दिखा जबरदस्त उत्साह

नई दिल्ली। दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग (डीपीवीएल) के पहले चरण के ट्रायल्स में राजधानी के उभरते वॉलीबॉल खिलाड़ियों का भारी उत्साह देखने को मिला। भीषण गर्मी और लू जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और खेल के प्रति अपना समर्पण, जु ट्रायल्स में दिल्ली वॉलीबॉल संघ के सदस्य कुलबीर सिंह और प्रियंक शर्मा भी मौजूद रहे। उनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का काम किया। इन ट्रायल्स का उद्देश्य जमीनी स्तर से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करना था। कई युवा खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। डीपीवीएल प्रबंधन ने प्रतिभागियों की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि लीग का लक्ष्य दिल्ली में भविष्य के वॉलीबॉल सितारों को मजबूत मंच प्रदान करना है।

पारदर्शी और पेशेवर चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए लीग ने अनुभवी चयन समिति का गठन किया था। खिलाड़ियों का मूल्यांकन तकनीकी क्षमता, फिटनेस, खेल की समझ और कोर्ट पर प्रदर्शन के आधार पर किया गया। ट्रायल्स के दौरान भारतीय वॉलीबॉल खिलाड़ी विनीत कुमार और प्रिंस मलिक भी पहुंचे। दोनों खिलाड़ियों ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें प्रेरित किया।

पूर्व भारतीय कप्तान विनीत कुमार ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद इतने युवा खिलाड़ियों का समर्पण के साथ ट्रायल्स में हिस्सा लेना बेहद प्रेरणादायक है। आज खिलाड़ियों में जो ऊर्जा और जुनून देखने को मिला, वह साबित करता है कि दिल्ली में वॉलीबॉल की अपार संभावनाएं हैं। डीपीवीएल जैसी पहल भविष्य के खिलाड़ियों के लिए मजबूत रास्ता तैयार कर सकती है।

भारतीय खिलाड़ी प्रिंस मलिक ने भी आयोजन और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि ट्रायल्स का माहौल बेहद सकारात्मक और ऊर्जावान था। खिलाड़ियों ने कोर्ट पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की पूरी कोशिश की। भारतीय वॉलीबॉल को जमीनी स्तर पर इसी तरह की पहल की जरूरत है। डीपीवीएल उभरती प्रतिभाओं के लिए शानदार मंच तैयार कर रहा है।

यूनिटी कप के लिए 17 खिलाड़ियों के साथ लंदन पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम यूनिटी कप 2026 में भाग लेने के लिए 17 खिलाड़ियों के साथ 24 मई को लंदन पहुंच गई। रविवार तड़के बेंगलुरु से रवाना हुई भारतीय टीम 2002 के बाद पहली बार ब्रिटिश धरती पर कोई मुकाबला खेलने गई है। मुख्य कोच खालिद जमील की टीम ने 22 मई को बेंगलुरु में अभ्यास शिविर शुरू किया था, जो इंडियन सुपर लीग 2025-26 के समापन के एक दिन बाद लगाया गया था। हालांकि, 23 मई को मोहम्मडन बागान सुपर जायंट ने अपने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय शिविर से वापस बुला लिया। इसके बाद भारत बाकी 17 खिलाड़ियों के साथ लंदन रवाना हुआ। गोलकीपर ऋतिक तिवारी अलग से यात्रा कर रहे हैं और आज टीम से जुड़ेंगे।

फीफा रैंकिंग में 136वें स्थान पर मौजूद भारत का सामना 27 मई की मध्यरात्रि (भारतीय समयानुसार 28 मई) को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका (71वीं रैंकिंग) से होगा। पहले सेमीफाइनल में 26वीं रैंकिंग वाली नाइजीरिया टीम का मुकाबला 130वीं रैंकिंग वाली जिम्बाब्वे से होगा। दोनों सेमीफाइनल हारने वाली टीमें 30 मई को तीसरे स्थान के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले लंदन स्थित 'द वैली' स्टेडियम में खेले जाएंगे, जो चार्लटन एथलेटिक फुटबॉल क्लब का घरेलू मैदान है। मैचों का सीधा प्रसारण फैनकोड पर किया जाएगा।

यूनिटी कप 2026 के लिए भारत की टीम- गोलकीपरः गुरप्रीत सिंह संधू, ऋतिक तिवारी, अल्बिनो गोम्स। डिफेंडरः राहुल भेके, निखिल पुजारी, रोशन सिंह नाओरेम, संदेश झिंगन, आकाश मिश्रा, बिजॉय वर्गीज, प्रमवीर।

मिडफील्डरः जैक्सन सिंह थौनाओजाम, नौफल पीएन, रिकी शाबोंग।

फॉरवर्ड : रयान विलियम्स, एडमंड लालरिंडिका, लालियानजुआला छांगते, रहीम अली, फारुख चौधरी।

यूनिटी कप 2026 कार्यक्रम

पहला सेमीफाइनल

27 मई, रात 12:00 बजे (भारतीय समयानुसार)

नाइजीरिया बनाम जिम्बाब्वे।

दूसरा सेमीफाइनल- 28 मई, रात 12:00 बजे (भारतीय समयानुसार) जमैका बनाम भारत।

फाइनल और तीसरे स्थान का मुकाबला- 30 मई 2026 स्थानः द वैली स्टेडियम, लंदन।

टेनिस ऑस्ट्रेलिया के नए सीईओ बने एंड्रयू अब्डो, क्रेग टाइली की लेंगे जगह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस संस्था 'टेनिस ऑस्ट्रेलिया' ने सोमवार को नेशनल रग्बी लीग (एनआरएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंड्रयू अब्डो को नया सीईओ नियुक्त किया है। वह क्रेग टाइली की जगह लेंगे, जिन्होंने फरवरी में अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

ऑस्ट्रेलिया की दोनों खेल संस्थाओं ने सोमवार को आधिकारिक बयान जारी कर इस नियुक्ति की पुष्टि की। क्रेग टाइली ने फरवरी में बताया था कि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन टूनार्मेंट निदेशक और टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ पद छोड़कर अमेरिका टेनिस संघ (यूएसटीए) से जुड़ेंगे, जो यूएस ओपन का संचालन करता है।

दक्षिण अफ्रीका मूल के टाइली वर्ष 2006 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के टूनार्मेंट निदेशक बने थे। उनके कार्यकाल में टूनार्मेंट का विस्तार 15-दिवसीय आयोजन तक हुआ और दर्शक संख्या व राजस्व के कई रिकॉर्ड टूटे। वर्ष 2013 में उन्हें टेनिस ऑस्ट्रेलिया का सीईओ बनाया गया था। नए सीईओ एंड्रयू अब्डो भी दक्षिण अफ्रीका से

हैं। वह वर्ष 2013 से ऑस्ट्रेलिया की नेशनल रग्बी लीग से जुड़े हुए हैं। शुरूआत में उन्होंने मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी के रूप में काम किया और वर्ष 2020 में सीईओ बने। कोविड-19 महामारी के दौरान लीग को संभालने, विस्तार और विकास में उनकी अहम भूमिका रही।

अब्डो ने अपने बयान में कहा, 'टेनिस ऑस्ट्रेलिया की ऑस्ट्रेलियाई खेलों में एक विशेष पहचान है। ऑस्ट्रेलियन ओपन पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में शामिल है। अब लक्ष्य इसे और आगे ले जाना है – एक वैश्विक आयोजन, शानदार फैन अनुभव और ज्यादा लोगों को टेनिस से जोड़ने वाले मंच के रूप में।' टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि वैश्विक स्तर पर भर्ती प्रक्रिया के दौरान 150 से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, लेकिन उच्चस्तरीय खेल लीग में नेतृत्व अनुभव के कारण अब्डो सबसे उपयुक्त साबित हुए। क्रेग टाइली ने कहा, 'टेनिस ऑस्ट्रेलिया देश के सबसे लोकप्रिय खेल संगठनों में से एक है और इसमें लगातार भागीदारी बढ़ रही है। हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी और अगली पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों व कोचों को तैयार करने वाली बेहतरीन टीम मौजूद है।' गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियन ओपन हर वर्ष आयोजित होने वाले चार ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंटों में पहला टूनार्मेंट होता है। इसके बाद फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन का आयोजन किया जाता है।

आईपीएल 2026 प्लेऑफ चरण के फैन पार्क पांच शहरों में होंगे आयोजित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्लेऑफ चरण के लिए फैन पार्कों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।

इस पहल के तहत देश के पांच राज्यों के पांच शहरों में क्रिकेट प्रशंसकों को आईपीएल प्लेऑफ मुकाबलों का रोमांचक अनुभव मिलेगा। आईपीएल फैन पार्क 29 और 31 मई को आयोजित किए जाएंगे, जहां प्रशंसक मेले जैसे माहौल में आईपीएल प्लेऑफ के रोमांच का आनंद उठा सकेंगे।

इन शहरों में फैन पार्क होंगे आयोजित ग्वालियर, मध्य प्रदेश गाजीपुर, उत्तर प्रदेश मंगलुरु, कर्नाटक काकीनाडा, आंध्र प्रदेश अगरतला, त्रिपुरा- इन फैन पार्कों में टाटा आईपीएल 2026 प्लेऑफ मुकाबलों का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही दर्शकों के लिए संगीत, मनोरंजन, फूड कोर्ट, बच्चों के खेलने के क्षेत्र और कई इंटरैक्टिव गतिविधियों की भी व्यवस्था रहेगी। प्रशंसकों के लिए वर्चुअल बैटिंग जोन, बॉलिंग नेट्स, फेस पेंटिंग और लोकप्रिय खेल गतिविधियां जैसे 'पिच परफेक्ट', 'गेम ऑफ थ्रोस' और 'डोंट मिस द बॉल' भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

अर्थव्यवस्था

जी. किशन रेड्डी ने एजेंसियों को लंबित खनन और अन्वेषण परियोजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को बेंगलुरु में समीक्षा बैठकों के दौरान सभी खनन और अन्वेषण एजेंसियों को लंबित खनन और अन्वेषण परियोजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्री ने बेंगलुरु में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रॉक मैकेनिक्स (एनआईआरएम), इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स (आईबीएम) और रिमोट सेंसिंग और एरियल सर्वे (आरएसएएस) डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठकेन कीं।

उन्होंने खान मंत्रालय के अधीन सभी खनन और अन्वेषण एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे लंबित परियोजनाओं में तेजी लाएं और भारत की खनिज सुरक्षा तथा रणनीतिक विकास लक्ष्यों को मजबूत करने के लिए 'मिशन-मोड' दृष्टिकोण अपनाएं। साथ ही उन्होंने आगे सभी संगठनों को स्पष्ट रूप से

परिभाषित समय-सीमाओं, मापने योग्य परिणामों और अधिक जवाबदेही के साथ, एक समन्वित 'मिशन-मोड' दृष्टिकोण अपनाकर काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने अपने संबोधन में सभी संगठनों को अपने लंबित प्रोजेक्ट्स को तेजी से आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टेक्नोलॉजी, पारदर्शिता और कार्यकुशलता हर संस्थागत प्रक्रिया की नींव बनें। रेड्डी ने आगे कहा कि भारत के लोग और भारत सरकार इस क्षेत्र में काम करने वाली हर एजेंसी से तेजी, जवाबदेही और स्पष्ट परिणामों की उम्मीद करते हैं। उन्होंने आगे सभी संगठनों को स्पष्ट रूप से परिभाषित समय-सीमाओं, मापने योग्य परिणामों और अधिक जवाबदेही के साथ, एक समन्वित 'मिशन-मोड' दृष्टिकोण अपनाकर काम करने का निर्देश दिया। मंत्री ने भारत के अन्वेषण इकोसिस्टम को मजबूत करने में उन्नत तकनीकों, डेटा एकीकरण और वैज्ञानिक नवाचार के महत्व पर भी जोर दिया।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, मुनाफा वसूली के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी मजबूत

नई दिल्ली। पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों के कारण आज शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने की उम्मीद और होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने के आसार के कारण उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही मजबूती के साथ कारोबार शुरू किया। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 10 मिनट में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की मजबूती और बढ़ गई, जिससे बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में पांच लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इन दोनों सूचकांक की चाल में कुछ गिरावट भी आई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.01 प्रतिशत और निफ्टी

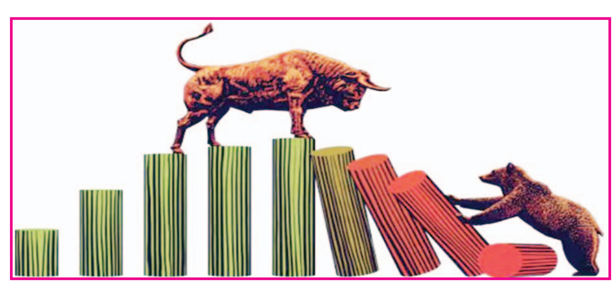

0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स, श्रीराम फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर 5.15 प्रतिशत से लेकर 2.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, टीसीएस, मैक्स हेल्थकेयर और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर 2.01 प्रतिशत से लेकर 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,786 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,229 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 557 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 26 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर चार शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और नौ शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 720.47 अंक की मजबूती के साथ 76,135.82 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले 10 मिनट में ही यह सूचकांक उछल कर 76,334.77 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स के चाल में गिरावट आने लगी।

बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद यह सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बना रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 752.09 अंक की तेजी के साथ 76,167.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 220.95 अंक उछल कर 23,940.25 अंक के स्तर तक से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर यह सूचकांक उछल कर 23,989.10 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बावजूद के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 216.85 अंक की मजबूती के साथ 23,936.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 231.99 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,415.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

भारत डर फैलाने का जोखिम नहीं उठा सकता, अर्थव्यवस्था मजबूत : सीतारमण

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को पश्चिम एशिया संकट के बीच 3एफ-ईंधन, उर्वरक और विदेशी मुद्रा पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए इस बात पर जोर दिया कि घरेलू अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) से आग्रह किया कि वे सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को भुगतान करने में 45 दिन की समय-सीमा से अधिक विलंब न करें।

केंद्रीय वित्त मंत्री महाराष्ट्र के मुंबई में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की 37वीं स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि भारत डर

फैलाने का जोखिम नहीं उठा सकता, हमें लोगों में विश्वास जगाने की जरूरत है। उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि वे डर फैलाने से बचें, इसके बजाय लोगों में विश्वास जगाने पर ध्यान केंद्रित करें। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की आर्थिक चुनौतियां मुख्य रूप से बाहरी प्रकृति की हैं, खासकर सोना, ईंधन और उर्वरक जैसे आयात के लिए विदेशी मुद्रा की जरूरतों के कारण। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं, जो निराशावादी माहौल बनाना चाहते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत लगातार सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, जबकि कई हाई-फ्रीक्वेंसी संकेतक लगातार औद्योगिक मांग और आर्थिक गति की ओर इशारा करते हैं।

सीतारमण ने कहा कि भारत की नीतिगत प्रतिक्रिया को घरेलू विकास को बनाए रखने के लिए संतुलित किया गया है, वित्त मंत्री ने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से राजस्व पर 1 लाख करोड़ रुपये का असर पड़ेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के अलावा, उर्वरकों की कीमतें भी 'अकल्पनीय' स्तर पर पहुंच गई हैं, जबकि सोने की ऊंची कीमतें बाहरी मोर्चे पर 'कुछ चुनौतियां' पैदा कर रही हैं। वित्त मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि एमएसएमई के रुके हुए भुगतानों में फंसे 8.1 लाख करोड़ रुपये का मुद्दा उनकी कार्यशील पूंजी और विकास पर असर डाल रहा है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से आग्रह किया कि वे एमएसएमई को भुगतान करने के लिए 45 दिन की समय-सीमा का उल्लंघन न करें।

पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद के कारण कच्चे तेल में नरमी का रुख, मई में पहली बार 100 डॉलर से नीचे आई कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) के मसौदे पर काफी हद तक सहमत हो जाने की खबर के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आज बड़ी गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मई के महीने में पहली बार कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे आ गया है। ब्रेंट क्रूड ने आज 4.93 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट के साथ मई के महीने में पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे जाकर 98.61 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत उछल कर 99.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंची, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में गिरावट का रुख बन गया। थोड़ी देर में ही ब्रेंट क्रूड गिर कर 97.40 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 5.61 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 97.93 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला यशस्वी ज्वेलर्स का आईपीओ, दो जून को लिस्टिंग संभव

नई दिल्ली। गोल्ड ज्वेलरी सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी यशस्वी ज्वेलर्स का 43.88 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 मई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि एक जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 83 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,65,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 52,86,400 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 2,67,200 नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.52 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.43 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजॉन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

यशस्वी ज्वेलर्स की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.96 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 11.28 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025-26 में उछल कर 18.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।